राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 04 अक्टूबर 2025
वर्ष 14,अंक 172, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पेड़ से लटका मिला मज़दूर का शव परिवार पर टूटा दुख का पहाड़, दो युवकों से हुआ था विवाद..03

किसानों ने तोडा मंडी का गेट, अधिकारियों के आदेश को किया दरकिनार..04

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर क्यों छिड़ा विवाद?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करने के बाद विवाद में फंस गई है. बीजेपी पर 'हिंदू विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए स्क्रीनशॉट वायरल हुए. एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया सरकार का हलफनामा 1983 की रामजी महाजन आयोग रिपोर्ट का भी सहारा ले रहा है. हालांकि सरकार ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है. वायरल पोस्ट में ऐतिहासिक संदर्भ का जिक्र किया गया. वायरल पोस्ट में दावा किया गया कि मध्य प्रदेश सरकार का सुप्रीम कोर्ट में दिया गया हलफनामा सभी सामान्य जाति के लोगों के लिए एक चेतावनी है. हमेशा हिंदुओं को एकजुट करने का दावा करने वाली पार्टी अब अदालत में हिंदू धर्म को अन्याय, शोषण और बुराई का प्रतीक बता रही है. आरोप लगाए गए कि हलफनामे के कथित अंशों में लगभग 80 फीसदी हिंदुओं के पिछड़ेपन के लिए रामायण और मनुस्मृति जैसे हिंदू धर्मग्रंथों को दोषी ठहराया गया. इतना ही नहीं, ट्विटर पर वायरल स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि कई अन्य अजीबोगरीब दावे भी इसमें शामिल थे. एक स्क्रीनशॉट में दिखाया गया है कि रामायण में ऋषि शंबूक की हत्या को जातिगत उत्पीड़न के उदाहरण के रूप में पेश किया गया. एक अन्य स्क्रीनशॉट में यह दावा किया गया था कि मनुस्मृति शूद्रों की तुलना जानवरों से करके उन्हें अमानवीय बनाती है. साथ ही उच्च-जाति के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए हिंदू समाज को सदियों तक जानबूझकर विभाजित रखा गया था. इन दावों को लेकर सरकार ने एक स्पष्टीकरण जारी किया और विवादास्पद अंशों से खुद को पूरी तरह अलग बताया।

विवाद के बाद एमपी सरकार ने क्या कहा?

सूबे की सरकार ने कहा कि संज्ञान में यह आया है कि शरारती तत्वों की ओर से सोशल मीडिया पर यह कहते हुए कुछ कंटेंट वायरल किया जा रहा है कि वह टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश मध्य प्रदेश शासन के ओबीसी आरक्षण से संबंधित प्रकरण के हलफनामे का भाग है. शासन ने कंटेंट का गंभीरता से परीक्षण किया है. ये टिप्पणियां पूरी तौर पर असत्य, मिथ्या और भ्रामक हैं. ये दुष्प्रचार की भावना से किया गया है. यह स्पष्ट किया जाता है कि वायरल की जा रही सामग्री मध्य प्रदेश सरकार के हलफनामे में उल्लेखित नहीं है और ना ही राज्य की किसी घोषित या स्वीकृत नीति अथवा निर्णय का भाग हैं. उसने कहा कि सामग्री मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रामजी महाजन की ओर से पेश अंतिम रिपोर्ट (भाग-1) का हिस्सा है. आयोग का गठन 17 नवंबर 1980 को किया गया था. आयोग ने 22 दिसंबर 1983 को अपनी अंतिम रिपोर्ट तत्कालीन राज्य शासन को भेजी थी. सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण संबंधित मामले में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पेश की है. इन रिपोर्ट में महाजन आयोग की रिपोर्ट के साथ-साथ 1994 से 2011 तक के वार्षिक रिपोर्ट व साल 2022 की राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट भी शामिल है।

M P सरकार ने हलफनामे में क्या दिया तर्क?

मध्य प्रदेश सरकार ने ओबीसी के लिए आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी करने के अपने निर्णय का बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पिछड़े समुदाय की की जनसंख्या का 85 फीसदी से अधिक है और वे गंभीर रूप से वंचित हैं. सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 8 अक्टूबर से रोजाना सुनवाई करेगा. 23 सितंबर को दायर अपने हलफनामे में राज्य ने 2011 की जनगणना का हवाला दिया, जिसके अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) 15.6%, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1% और ओबीसी 51% से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं. ओबीसी आयोग की 2022 की रिपोर्ट ने इस बात की पुष्टि की कि अकेले ओबीसी राज्य की आधी से ज्यादा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं. राज्य के अनुसार, वंचित समूह मिलकर मध्य प्रदेश की 87 फीसदी से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं. सरकार ने कहा कि ओबीसी को पहले केवल 14 फीसदी आरक्षण तक सीमित रखा गया था, जो जनसंख्या के लिहाज से सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के लिए पूरी तरह से अनुपातहीन था. सरकार ने तर्क दिया कि 27 फीसदी तक की वृद्धि न केवल उचित है, बल्कि एक संवैधानिक रूप से जरूरी सुधार करने वाला कदम भी है. यह हलफनामा मध्य प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 की धारा 4 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दायर किया गया था, जिसे 2019 के संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया था, जिसके चलते राज्य की सेवाओं में सभी पदों पर ओबीसी के लिए आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश में कितना हो जाएगा आरक्षण?

साल 2022 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसमें राज्य को 14 फीसदी से अधिक ओबीसी आरक्षण देने से रोक दिया गया और दिसंबर 2019 के नियमों पर रोक लगा दी गई. 2024 में याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर दी गईं. सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को रद्द नहीं किया और मामले की अंतिम सुनवाई अक्टूबर 2025 के लिए निर्धारित कर दी. चूंकि मध्य प्रदेश में अनुसूचित जातियों को 16 फीसदी और अनुसूचित जनजातियों को 20 फीसदी आरक्षण प्राप्त है, इसलिए ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 27 फीसदी करने से आरक्षण 50 फीसदी की सीमा से अधिक हो जाएगा. 10 फीसदी आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (EWS) कोटे के साथ कुल आरक्षण 73 फीसदी हो जाएगा।

वायुसेना प्रमुख का ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बड़ा खुलासा- पाकिस्तान के 6 से 7 जेट मार गिराए...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 4 से 5 F-16 लड़ाकू विमान और चीन निर्मित जेएफ-17 फाइटर जेट भी मार गिराए। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के कई हवाई क्षेत्र को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया, जिनमें रनवे और हैंगर शामिल हैं। एयर चीफ ने बताया कि इस कार्रवाई से पाकिस्तान की वायु सेना की क्षमताओं को भारी झटका लगा है। ऑपरेशन सिंदूर भारत की सशक्त वायु रक्षा क्षमता और सटीक मिलिट्री रणनीति का परिचायक बना। हिंदन एयर बेस पर 8 अक्टूबर को होने वाले एयर फोर्स डे परेड से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंह ने बताया कि इस ऑपरेशन में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (SAM) निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "हमने सबसे लंबी हिट 300 किलोमीटर से ज्यादा अंदर दुश्मन के क्षेत्र में की। हमारी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली ने हालात पलट दिए।" उन्होंने यह नहीं बताया कि इतने लंबी दूरी पर कौन सा पाकिस्तानी उपकरण गिराया गया और किस भारतीय मिसाइल सिस्टम ने यह हमला किया। लेकिन माना जा रहा है कि यह रूस से खरीदी गई अत्याधुनिक S-400 मिसाइल प्रणाली हो सकती है, जिसकी रेंज 300 किलोमीटर से अधिक है।

वायु सेना प्रमुख ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सटीकता और असर के कारण यह इतिहास में दर्ज हो जाएगा। उन्होंने कहा, "हमने एक ही रात में सटीक हमला किया, कम से कम नुकसान पहुंचाया और दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। यह 1971 के बाद का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है जिसे सार्वजनिक रूप से बताया गया है।" उन्होंने सेना, नौसेना और वायु सेना की संयुक्त योजना और क्रियान्वयन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, "हमने ऑपरेशन सिंदूर में साबित किया कि हम निशानेबाज, अजेय और सटीक हैं।" फर्जी खबरों और मीडिया के रोल पर भी उन्होंने चर्चा की। सिंह ने कहा, "ऑपरेशन के दौरान गलत जानकारी फैलाई गई, लेकिन हमारे मीडिया ने सेना का खूब सहयोग किया। जब सैनिक लड़ रहे होते हैं तो जनता का मनोबल गिरना नहीं चाहिए, और मीडिया ने इसका ध्यान रखा।" आगे की तैयारी के बारे में बात करते हुए एयर चीफ ने कहा कि भविष्य के युद्ध पहले जैसे नहीं होंगे। इसलिए हमें हमेशा तैयार रहना होगा और सभी सैन्य सेवाओं तथा एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना होगा।उन्होंने आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए बताया कि एलसीए Mk1Aके ऑर्डर दिए गए हैं और LCA Mk2 और इंडियन मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (IMRH) के प्रोजेक्ट भी आगे बढ़ रहे हैं। कई रेडार और सिस्टम पर भी काम हो रहा है। सिंह ने कहा, "हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे, लेकिन जहां जरूरत होगी वहां रणनीतिक तकनीक भी हासिल करेंगे।" अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त अभ्यासों की भी उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि UAE, मिस्र, फ्रांस और सिंगापुर जैसे देशों के साथ सफल अभ्यास हुए हैं और विदेशी कमांडर भी इसे आगे बढ़ाने को उत्सुक हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

मुख्य चुनाव आयुक्त का दौरा तय, तैयारियों की करेंगे समीक्षा

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार में सरगर्मी तेज हो चुकी है. इसी कड़ी में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ 4 और 5 अक्टूबर को बिहार का दौरा करेंगे. जहां वो मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अन्य राज्य अधिकारियों के साथ चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे. मुख्य चुनाव आयुक्त के बिहार दौरे से पहले आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की एक बैठक शुक्रवार को दिल्ली में होगी. इसमें चुनाव से जुड़े सभी पर्यवेक्षक, पुलिस और अन्य अधिकरी शामिल होंगे. आम तौर पर चुनाव की तारीखों की घोषणा चुनाव आयोग के पूर्ण सदस्य के किसी राज्य के दौरे के बाद ही की जाती है. इसलिए माना जा रहा है कि बिहार चुनाव की घोषणा 5 अक्टूबर के बाद कभी भी हो सकती है।

आईआईआईडीएम में सुबह 10 बजे होगी बैठक

चुनाव आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 320 आईएएस और 60 आईपीएस अधिकारियों सहित कुल 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है. इन पर्यवेक्षकों की तैनाती बिहार के अलावा 8 राज्यों में होने वाले विधानसभा के उपचुनावों के लिए भी की जाएगी. शुक्रवार की बैठक द्वारका के आईआईआईडीएम (India International Institute of Democracy and Election Management) में सुबह 10 बजे होगी. बता दें कि चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया के बाद फाइनल वोटर लिस्ट भी जारी कर चुका है. फाइनल वोटर लिस्ट में 14 लाख नए वोटर्स जुड़े हैं.कोई भी व्यक्ति आयोग की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के जरिए से वोटर लिस्ट में अपनी डिटेल देख सकता है. वोटर लिस्ट के लिए आयोग की https://voters.eci.gov.in/ पर जाकर जानकारी हासिल की जा सकती है।

फाइनल लिस्ट में बिहार में कुल कितने वोटर

एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद 24 जून को बिहार में 7.89 करोड़ वोटर्स थे. जबकि ड्रॉफ्ट लिस्ट जारी होने से पहले 65 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए. इस तरह लिस्ट में 7.24 करोड़ वोटर्स रह गए. ड्रॉफ्ट लिस्ट में 4 लाख अयोग्य वोटर्स को हटाया गया. फॉर्म 6 के जरिए 21 लाख योग्य वोटर को शामिल किया गया. 30 सितंबर को जारी फाइनल लिस्ट में 7.41 करोड़ वोटर्स शामिल किए गए।

मेरठ में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, तीन बार की फायरिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेरठ में 1 अक्टूबर की सुबह लोहिया नगर थाना क्षेत्र के नरहाड़ा गांव के बाहर खेत में ट्यूबवेल के पास एक युवक का शव बरामद हुआ था. युवक के सिर और शरीर पर गहरे चोट के निशान पाए गए. सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र के राधना वाली गली में रहने वाले आदिल (25) उर्फ रेहान के रूप में हुई. युवक पैठ में कपड़ा बेचने वाला है और उसके सिर में गोली मारी गई थी. बताया जा रहा है कि पुलिस को आसपास तीन खोखे भी मिले. अब इस मामले में रेहान को गोली मारते हुए एक युवक का वीडियो भी वायरल हुआ है. हालांकि, T19 भारतवर्ष इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता. बताया जा रहा है कि गोली मारता दिख रहा युवक मृतक का दोस्त जुलकमर है. उस पर रेहान की हत्या का आरोप लगा है. इस वायरल वीडियो ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है, क्योंकि इससे साफ होता है कि घटना के वक्त वहां एक तीसरा

शख्स भी मौजूद रहा होगा, जिसने फोटो /वीडियो बनाया होगा हालांकि, अभी पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

मामला मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र के नरहाड़ा गांव का है. यहां बुधवार सुबह जंगल में एक ट्यूब वैल के पास चकरोड के किनारे एक युवक का गोली लगा शव पड़ा मिला. शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी. जिसके बाद शव की पहचान आदिल उर्फ रेहान के रूप में हुई जो की लिसाड़ी गेट का रहने वाला है. बताया जा रहा है कि कुछ युवक आदिल को बहाने से अपने साथ लोहिया नगर क्षेत्र में ले गए. आरोप है कि यहां ट्यूबवेल पर ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है।

आरोपियों में जरा सा भी खौफ नहीं दिखा

हैरत की बात है कि इस मामले में गोली मारते हुए एक वीडियो भी सामने आया है. आरोपियों में इस हत्या को अंजाम देते हुए जरा सा कभी खौफ नहीं दिखा. वायरल वीडियो में युवक नीचे पड़े आदिल को पिस्तौल से एक के बाद एक कई गोली मारता हुआ दिखाई दिया. गोली मारने वाला आरोपी जुलकमर बताया जा रहा है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मौके से जुटाए गए सबूतों और वायरल हो रही तस्वीर और वीडियो की जांच की जा रही है. हालांकि, अभी हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

पुलिस की दो टीमें कर रहीं मामले की जांच

मेरठ के एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया- पुलिस की दो टीमें मामले की जांच कर रही हैं. आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रही हैं. लोगों से पूछताछ की जा रही है. जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

'हमारे पी.एम. झूठ बोलते हैं', आजादी की लड़ाई में RSS की भूमिका पर ओवैसी ने उठाए सवाल, बोले- हेडगेवार ने तो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हैदराबाद- एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी जानकारी के अनुसार आरएसएस के गठन के बाद इसके किसी भी सदस्य ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति नहीं दी और न ही जेल गया। ओवैसी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका की सराहना करने के बाद आई है। यहां एक सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार की जीवनी का हवाला देते हुए दावा किया कि हेडगेवार ने 1930 में दांडी मार्च में हिस्सा लिया था और जेल भी गए थे, ताकि स्वतंत्रता सेनानियों को बाद में संघ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि हेडगेवार का इरादा स्वतंत्रता संग्राम में वास्तविक भागीदारी का

नहीं था। ओवैसी ने कहा, "मैं इस दावे से हैरान हूं कि आरएसएस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। प्रधानमंत्री मोदी को लंबे-लंबे भाषण देने की आदत है। जहां तक मैंने पढ़ा है, आरएसएस के किसी भी सदस्य ने इसके गठन के बाद न तो आजादी की लड़ाई में अपनी जान दी और न ही जेल गए।" उन्होंने दावा किया कि ब्रिटिश अभिलेखागार में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि आरएसएस कार्यकर्ताओं ने कभी स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया और न ही उनसे कोई खतरा था।

ओवैसी ने कहा, "इसके अलावा, आरएसएस की पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' ने 14 अगस्त, 1947 को लिखा था कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंग अशुभ हैं। यह बात प्रधानमंत्री को पता थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया।" एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि जब 23 नवंबर, 1949 को संविधान अपनाया गया था, तो आरएसएस ने 'ऑर्गनाइजर' में लिखा था कि उन्हें उस संविधान की नहीं, बल्कि 'मनुस्मृति' की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने अपनी पुस्तक 'बंच ऑफ थॉट्स' में ईसाइयों, मुसलमानों और वामपंथियों को भारत के लिए आंतरिक खतरा बताया था। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने दावा किया कि आरएसएस बार-बार भारत के मुसलमानों पर शक करता है, लेकिन 'काला पानी' (अंडमान सेलुलर जेल) भेजे जाने वाले पहले व्यक्ति हैदराबाद के मौलवी अलाउद्दीन रहमतुल्ला थे।

दिल्ली के अस्पतालों का बुरा हाल, सौरभ भारद्वाज बोले, बीजेपी इन्हें करेगी प्राइवेटाइज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को ध्वस्त कर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी का गंभीर आरोप लगाया है. साथ ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बार बार झूठ बोलने का आरोप भी लगाया है. आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार के करीब 8 महीने हो गए हैं और जो हालात इस समय सरकारी अस्पतालों के हैं, कभी नहीं थे. एक समय था जब अरविंद केजरीवाल ने सभी दवाइयां और टेस्ट मुफ्त किए थे और ये भी व्यवस्था थी कि अगर सरकारी अस्पताल में कोई MRI, CT स्कैन या सर्जरी नहीं हो पा रही है तो प्राइवेट में भेजकर कराई जाती थी. लेकिन, आज दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में और केंद्र के राममनोहर लोहिया अस्पताल में दवाई, टेस्ट, सर्जरी उपलब्ध नहीं है. क्योंकि भाजपा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का प्राइवेटाइजेशन करने जा रही है.

दवाइयों की खरीद नहीं की जा पा रही है

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के दो राज्य हरियाणा और उत्तर प्रदेश हमसे हटे हुए हैं. जब दुकानें खुली थीं तो इन्होंने हाहाकार मचा दिया था कि प्राइवेट दुकानें खुल गईं. आप गुरुग्राम जाएंगे तो वहां शराब के शोरूम हैं. ये वही पॉलिसी दिल्ली में लाना चाहते हैं. सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री रोज झूठ बोलती हैं. अब तो हमें शर्म आने लगी है कि मुख्यमंत्री इतना झूठ कैसे बोल सकती है. रामलीला 10 बजे तक कराने का आदेश दिल्ली पुलिस का था. दिल्ली पुलिस 11 साल से मोदी जी के पास है. अब कह रहे हैं कि हमने कराया तो रोक भी तो आपने रखा था. फिर बोले कि आपकी वोट की ताकत देखिए. मुख्यमंत्री दुर्गा पूजा में गईं. अरविंद केजरीवाल नहीं जाते थे. ये झूठ है अरविंद केजरीवाल बार-बार जाते थे. खुद मेरी विधानसभा में गए. यमुना घाट पर छठ कोर्ट के आदेश से रुकी थी. हमारे संजीव झा ने तो मांग भी की थी कि पूजा अलाऊ करो. लेकिन, ये झूठ बोलते हैं. हमें तो देखना है कि परवेश वर्मा यमुना का झाग कैसे रोकेंगे? वो तथाकथित जहरीला केमिकल कैसे यमुना में डालेंगे।

रही है

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का बेड़ा ग़र्क किया जा रहा है. जहां दिल्ली में बाहर से लोग इलाज कराने आते थे. अब सरकार इसको प्राइवेट हाथों में सौंपने जा रही है. जानबूझकर ऐसी स्वास्थ्य सेवाओं की ऐसी स्थिति पैदा की जा रही है. दिल्ली में महीनों से दवाईयां की कमी है. सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि डाट का 80 करोड़ का बजट होता था उसमें कटौती हुई है. बजट को शून्य कर दिया है. उसी से दूसरे अस्पतालों से इलाज कराया जाता था. फरिशते स्कीम चलती थी. दवाईयों की खरीद नहीं हो पा रही है।

शराब पीने की उम्र 25 से 21 साल करने पर क्या कहा

मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारत के लोग कभी अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, पुतिन का बड़ा बयान, यूरोप को वॉर्निंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूस और यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर पश्चिमी देशों को चेतावनी दी है. उन्होंने साफ कहा कि यदि यूरोप ने रूस को उकसाने की कोशिश की तो उसका जवाब तुरंत और बेहद घातक होगा. साथ ही उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग खत्म कराने की कोशिश करने के लिए भारत की तारीफ की. पीएम मोदी की तारीफ करते हुए पुतिन ने कहा, मैं पीएम मोदी को जानता हूं. भारत के लोग अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे. रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है, जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की. ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं।

दक्षिण रूस में आयोजित एक समारोह में पुतिन ने कहा, हम यूरोप के बढ़ते सैन्यीकरण पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. रूस की ओर से जवाबी कदम उठाने में वक़्त नहीं लगेगा. और यह प्रतिक्रिया बहुत गंभीर होगी. पुतिन ने साफ किया कि रूस कमजोरी या अनिर्णय का परिचय कभी नहीं देगा. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि रूस का नाटो गठबंधन पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "अगर किसी को अभी भी हमारे साथ सैन्य प्रतियोगिता करने का मन है, तो उन्हें कोशिश कर लेने दें. रूस ने सदियों से यह साबित किया है कि उकसावे का जवाब तुरंत और सख्ती से दिया जाता है।

शांति से सोइए, आराम कीजिए

राष्ट्रपति पुतिन ने विशेष रूप से जर्मनी का नाम लेते हुए कहा कि वह यूरोप में सबसे

शक्तिशाली सेना बनाने का सपना देख रहा है. उन्होंने यूरोपीय नेताओं पर हिस्टेरिया फैलाने का आरोप लगाया. यूरोप की एकजुट अभिजात्य जमात लगातार युद्ध की आशंका का माहौल बना रही है. वे बार-बार कहते हैं कि रूस से जंग दरवाज़े पर खड़ी है. यह एक तरह की बकवास है, जिसे वे मंत्र की तरह दोहराते रहते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि यह मानना असंभव है कि रूस कभी नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला करेगा. सचमुच, मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं-शांति से सोइए, आराम कीजिए और अपने घर की समस्याओं पर ध्यान दीजिए. जरा देखिए कि यूरोपीय शहरों की सड़कों पर क्या हो रहा है।

रूस-यूरोप टकराव- शीत युद्ध से आगे

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने पश्चिमी मीडिया की शीत युद्ध जैसी तुलना को खारिज किया. उन्होंने कहा, यह शीत युद्ध नहीं है. यहां काफी पहले से ठंड नहीं, बल्कि आग लगी हुई है. हम पहले से ही एक नए तरह के संघर्ष में हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय संघ और नाटो, रूस पर झूठे आरोप लगाकर अपने विशाल रक्षा बजट को सही ठहराना चाहते हैं. ÷उनके बयान दो चीज़ें बताते हैं. पहला, वे उकसावे की एक श्रृंखला तैयार कर रहे हैं. दूसरा, उन्हें अपने सैन्य बजट को जायज़ ठहराने का बहाना चाहिए।

ड्रोन घटनाएं और बढ़ती चिंताएं

पिछले दिनों डेनमार्क में ड्रोन घटनाओं और एस्टोनिया व पोलैंड में कथित रूसी हवाई उल्लंघनों ने इस डर को गहरा कर दिया है कि यूक्रेन युद्ध की आग सीमाओं से बाहर फैल सकती है. हालांकि पुतिन ने इन चिंताओं को "अफवाह और प्रोपेगेंडा" बताते हुए खारिज किया. उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों का मकसद अपने सैन्य खर्च को जायज ठहराना है।

अमेरिका और रूस में तनाव

सिर्फ दो महीने पहले अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की मुलाक़ात के बावजूद शांति की उम्मीदें अब और धुंधली होती दिख रही हैं. रूसी सेना यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रही है, वहीं रूसी ड्रोन के नाटो हवाई क्षेत्र में दाखिल होने की रिपोर्टें भी आई हैं. इस बीच, अमेरिका अब रूस के भीतर गहरे हमले करने पर विचार कर रहा है।

भारत की तारीफ

अपने संबोधन में पुतिन ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व राजनीति में भारत का संतुलित दृष्टिकोण काबिले तारीफ है. उन्होंने कहा, भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से यह दिखाया है कि बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भी दबावों के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रख सकते हैं. रूस भारत को एक भरोसेमंद साझेदार मानता है. पुतिन ने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा संवाद, शांति और कूटनीति पर ज़ोर दिया है, जो मौजूदा समय में बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने भारत के ऊर्जा सहयोग और रणनीतिक संतुलन की भी सराहना की।

IVF- शाप या वरदान -आप को यह रखना हे ध्यान!

इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की एक ऐसी तकनीक है, जो बांझपन से जूझ रहे दंपतियों के लिए संतान सुख की उम्मीद जगाती है। लेकिन यह तकनीक जितनी आकर्षक लगती है, उतनी ही जोखिम भरी, महंगी और विवादास्पद भी है। इसके नकारात्मक पहलू, जैसे स्वास्थ्य जोखिम, आर्थिक बोझ, नैतिक सवाल और अप्राकृतिक हस्तक्षेप, इसे एक जटिल विकल्प बनाते हैं। इस लेख में हम IVF के विभिन्न नकारात्मक पहलुओं, एक वास्तविक असफलता के उदाहरण और ध्यान रखने योग्य बातों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

ट्विन बालक आने की शंका

IVF प्रक्रिया में गर्भधारण की संभावना बढ़ाने के लिए अक्सर एक से अधिक भ्रूण गर्भाशय में स्थानांतरित किए जाते हैं। इससे एक से अधिक बच्चों (ट्विन्स, ट्रिपलेट्स या उससे अधिक) के जन्म की संभावना बढ़ जाती है। और यह अनुपात आज 25 से 30% हे जो नॉर्मल से ज्यादा हे। यह स्थिति माता और शिशुओं दोनों के लिए जोखिम भरी हो सकती है। बहु-भ्रूण गर्भावस्था में समय से पहले जन्म (प्रीमैच्योर डिलीवरी), कम वजन वाले शिशु, और जन्मजात असामान्यताओं का खतरा बढ़ जाता है। माता को गर्भावधि मधुमेह, उच्च रक्तचाप (प्रीक्लेम्पसिया), और प्रसव के दौरान जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, एक से अधिक बच्चों की देखभाल का मानसिक और आर्थिक दबाव दंपतियों के लिए भारी पड़ सकता है। क्या एक बच्चे की चाह में इतने जोखिम लेना वाकई उचित है?

माता का अप्राकृतिक रूप से हुआ गर्भ के साइड इफेक्ट्स

IVF एक अप्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसमें अंडाशय को उत्तेजित करने के लिए हार्मोनल इंजेक्शन और दवाओं का उपयोग किया जाता है। ये दवाएं माता के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। ओवेरियन हाइपरस्टिमुलेशन सिंड्रोम (OHSS) एक आम जटिलता है, जिसमें अंडाशय में सूजन, दर्द और कभी-कभी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक हार्मोनल उपचार से स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर और थायरॉइड संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। इसके अलावा, ढ्ढङ्क्स्न की प्रक्रिया भावनात्मक रूप से थकाऊ होती है। बार-बार असफल चक्र, चिकित्सा प्रक्रियाओं का दर्द और अनिश्चितता के कारण तनाव, चिंता और अवसाद की संभावना बढ़ जाती है। कई महिलाओं ने IVF के बाद अपने मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट की शिकायत की है। क्या संतान प्राप्ति के लिए माता के स्वास्थ्य को इस हद तक जोखिम में डालना उचित है?

कुदरत के नियम के बारे में

प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक निश्चित प्रक्रिया बनाई है, और IVF इस प्राकृतिक चक्र को बाधित करता है। कई धार्मिक और दार्शनिक दृष्टिकोण इसे प्रकृति के नियमों के खिलाफ मानते हैं। IVF के जरिए गर्भधारण करने से न केवल नैतिक सवाल उठते हैं, बल्कि यह भी चिंता होती है कि क्या यह तकनीक लंबे समय में अप्रत्याशित परिणाम लाएगी। उदाहरण के लिए, कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि IVF से जन्मे बच्चों में जन्मजात हृदय दोष, आनुवंशिक असामान्यताएं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम सामान्य बच्चों की तुलना में थोड़ा अधिक हो सकता है। इसके अलावा, भ्रूण चयन और अतिरिक्त भ्रूणों को नष्ट करने की प्रक्रिया नैतिक रूप से कई लोगों के लिए अस्वीकार्य है। क्या हमें प्रकृति के नियमों को चुनौती देनी चाहिए, या इसे स्वीकार करना चाहिए?

खर्च- कम से कम और ज्यादा

IVF एक अत्यंत महंगी प्रक्रिया है। भारत में एक IVF चक्र की लागत औसतन 1 लाख से 3 लाख रुपये तक हो सकती है, और कई बार एक से अधिक चक्र की आवश्यकता पड़ती है। तो खर्च बढ़ भी शकता हे। कुछ मामलों में, विशेष उपचार या अतिरिक्त प्रक्रियाओं (जैसे ICSI या डोनर एग) के कारण यह लागत 5 लाख रुपये से भी अधिक हो सकती है। इसके बावजूद, ढ्ढङ्क्स्न की सफलता की कोई गारंटी नहीं होती। बार-बार असफलता से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि दंपतियों का भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। मध्यम वर्गीय और गरीब परिवारों के लिए यह खर्च असहनीय हो सकता है, जिससे वे कर्ज के जाल में फंस सकते हैं। क्या इतना बड़ा आर्थिक जोखिम हर दंपति के लिए संभव है?

आज के मेडिकल साइंस का तर्क

मेडिकल साइंस IVF को बांझपन का एक क्रांतिकारी समाधान बताता है, लेकिन इसकी सफलता दर उतनी प्रभावशाली नहीं है। विश्व स्तर पर ढ्ढङ्क्स्न की औसत सफलता दर 30-40% है, और यह माता की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और क्लिनिक की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। 35 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में यह दर और भी कम हो सकती है। और वैसे भी ऑनलाइन साइट की माने तो भी यह सफलता दर 35 से कम उम्र मे 40-50%, 35 से 37 में 35 से 40%, 38 से 40 की उम्र में 20 से 30%

और 40 से ज्यादा में 15% ही हे।

इसके अलावा, IVF से जुड़ी जटिलताएं, जैसे भ्रूण स्थानांतरण की विफलता, गर्भपात का खतरा और एक्टोपिक प्रेगनेंसी (गर्भाशय के बाहर गर्भ), इसे जोखिम भरा बनाती हैं। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि IVF से जन्मे बच्चों में कुछ दुर्लभ आनुवंशिक और विकासात्मक समस्याओं का जोखिम हो सकता है। मेडिकल साइंस स्वयं इस बात को स्वीकार करता है कि ढ्ढङ्क्स्न हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है। क्या इतनी अनिश्चितता और जोखिम के बावजूद इसे वरदान माना जा सकता है?

वास्तविक असफलता का उदाहरण

IVF की असफलता के कई मामले सामने आए हैं, जो इसकी जटिलता और जोखिमों को उजागर करते हैं। ऐसा ही एक मामला दिल्ली की एक 38 वर्षीय महिला का है, जिसका नाम प्रिया (बदला हुआ नाम) है। प्रिया और उनके पति ने 2018 में IVF का सहारा लिया। तीन चक्रों के बाद, जिनमें उन्होंने लगभग 7 लाख रुपये खर्च किए, वह गर्भवती हुई। लेकिन गर्भावस्था के छठे महीने में स्कैन से पता चला कि बच्चे में गंभीर हृदय दोष है। डॉक्टरों ने सलाह दी कि गर्भपात ही सुरक्षित विकल्प है। इस असफलता ने प्रिया को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ दिया। हार्मोनल उपचार के कारण उनका वजन बढ़ गया, और वह अवसाद में चली गई। उनके पति ने बताया कि इस प्रक्रिया ने उनके रिश्ते पर भी गहरा प्रभाव डाला। यह उदाहरण दर्शाता है कि IVF की असफलता केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह दंपति के जीवन को पूरी तरह बदल सकती है।

और क्या रखे ध्यान?IVF करवाने से पहले निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना जरूरी है

- विश्वसनीय क्लिनिक का चयन- कई क्लिनिक व्यावसायिक लाभ के लिए मरीजों को गलत जानकारी दे सकते हैं। केवल प्रमाणित और अनुभवी डॉक्टरों और क्लिनिकों पर भरोसा करें।

- मानसिक तैयारी- IVF की प्रक्रिया लंबी, दर्दनाक और अनिश्चित हो सकती है। असफलता की स्थिति में दंपति को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। काउंसलिंग लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

- वैकल्पिक विकल्पों पर विचार- गोद लेना, सरोगेसी या प्राकृतिक उपचार जैसे विकल्प कम जोखिम भरे और सस्ते हो सकते हैं। इन पर विचार करें।

- स्वास्थ्य जोखिमों की जानकारी- हार्मोनल उपचार और प्रक्रिया के दीर्घकालिक प्रभावों को समझें। डॉक्टर से सभी संभावित जोखिमों पर खुलकर चर्चा करें।सिर्फ एक या दो सुझाव पे फैसला मत लो।

- नैतिक और धार्मिक मूल्य- IVF की प्रक्रिया आपके धार्मिक या नैतिक विश्वासों के अनुरूप है या नहीं, इस पर विचार करें।और खास कर धर्म और कर्म के साथ विज्ञान को जोड़कर देखे।

- आर्थिक योजना- ढ्ढङ्क्स्न के लिए बजट बनाएं और बार-बार असफलता की स्थिति में होने वाले खर्च को ध्यान में रखें।

- सामाजिक दबाव- परिवार या समाज के दबाव में आकर जल्दबाजी में निर्णय न लें। यह एक व्यक्तिगत और गंभीर फैसला है। जो की आपकी पूरी शारीरिक और मानसिक परिस्थितियों को सामने रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

अंत में एक सुझाव

IVF निस्संदेह चिकित्सा विज्ञान की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, लेकिन इसके जोखिम, लागत और नैतिक सवाल इसे एक जटिल और विवादास्पद विकल्प बनाते हैं। यह प्रक्रिया माता के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, आर्थिक बोझ डालती है और प्रकृति के नियमों के खिलाफ जाकर अनिश्चित परिणाम ला सकती है। प्रिया जैसे वास्तविक मामलों से यह स्पष्ट होता है कि IVF की असफलता केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह दंपति के जीवन को पूरी तरह बदल सकती है। क्या एक बच्चे की चाह में इतने जोखिम, तनाव और अनिश्चितता को स्वीकार करना उचित है? ढ्ढङ्क्स्न का निर्णय लेने से पहले इसके सभी पहलुओं - शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और नैतिक - पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है। क्या यह वास्तव में वरदान है, या एक ऐसा शाप जो जीवन को और जटिल बना सकता है? यह सवाल हर दंपति को स्वयं से पूछना चाहिए।

प्रतिक संघवी

गांधी के देश में गांधी के सिद्धांतों से दूरी बनाते लोग

भारत की आत्मा महात्मा गांधी के विचारों में बसती है। सत्य, अहिंसा, सादगी, स्वदेशी और सेवा का जो अमूल्य संदेश उन्होंने दिया, वही भारत की पहचान और स्वतंत्रता संग्राम की आधारशिला रहा। गांधी ने स्वयं कहा था "सत्य मेरा ईश्वर है और अहिंसा उसे पाने का साधन।" परंतु आज यह विडंबना है कि जिस देश ने उन्हें राष्ट्रपिता का दर्जा दिया, उसी देश के लोग उनके सिद्धांतों से धीरे-धीरे विमुख होते जा रहे हैं।

गांधी जी ने राजनीति को नैतिकता से जोड़ा था। उनके शब्द थे "राजनीति बिना नैतिकता के शैतानी का रूप ले लेती है।" लेकिन आज राजनीति सत्ता-लोलुपता, धनबल और जातीय- सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का पर्याय बनती जा रही है। कई बार चुनावी घोषणाएँ वोट बैंक तक सीमित नज़र आती हैं और सेवा-भावना हाशिये पर है। आदर्श राजनीति, जिसे गांधी रामराज्य कहते थे, अवसरवाद और लोकलुभावन नारों के बोझ तले दबती दिखाई देती है।

सब जानते हैं कि अहिंसा गांधी के जीवन का मूल रहा है। उनका विश्वास था "अहिंसा मानवता का सर्वोच्च धर्म है।" लेकिन आज समाज में हिंसा और असहिष्णुता का बोलबाला नजर आता है। विचारों का मतभेद संवाद से नहीं, सोशल मीडिया की कटाक्षपूर्ण भाषा और कभी-कभी सड़क की हिंसा से तय होने लगा है। इस परिस्थिति में गांधी का सरल कथन आज भी चेतावनी की तरह गूंजता है "आँख के बदले आँख से पूरी दुनिया अंधी हो जाएगी।"

गांधी जी का मानना था कि भारत का हृदय गाँवों में बसता है। उन्होंने ग्राम स्वराज्य और आत्मनिर्भरता को राष्ट्रनिर्माण का मूल आधार बताया था। लेकिन आज ग्रामीण क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की अपर्याप्त और बेहतर स्थिति से जूझ रहे हैं। शहरीकरण और उपभोक्तावाद के दबाव में गाँव पिछड़ेपन और पलायन की कसौटी बनते जा रहे हैं। जबकि गांधी जी की दृष्टि से असली विकास तभी संभव है जब गाँवों की आत्मा सशक्त बने।

चरखा, खादी और स्वदेशी गांधी के आर्थिक दर्शन की धुरी थे। उनका मानना था कि स्थानीय उत्पादन से ही गरीबी का निवारण संभव है और स्वाभिमान भी जागृत होता है। आज़ादी के आंदोलन के समय विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार ने यह सिद्ध करके भी दिखया है। किंतु आज उपभोक्तावादी संस्कृति और विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण ने स्वदेशी वस्तुओं से दूर रखा है।यह कहना भी गलत नहीं होगा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के बावजूद सच्चा स्वदेशी अपनाने में समाज अभी भी आधा-अधूरा नजर आता है है।

गांधी जी का देशप्रेम केवल नारों या प्रतीकों तक सीमित नहीं था, बल्कि त्याग और सेवा की जीवनशैली में प्रकट होता था। उन्होंने कहा था "देश की सेवा करने के लिए व्यक्ति को अपने सुख-दुख का बलिदान करना पड़ता है।" आपके अनुसार सच्चा देशप्रेम राष्ट्रहित को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखना है।

सब जानते हैं कि गांधी जी के सिद्धांतों ने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने उन्हें "महात्मा" की उपाधि भी दी। अल्बर्ट आइंस्टीन ने लिखा था "आने वाली पीढ़ियाँ यह विश्वास नहीं कर पाएँगी कि ऐसा भी कोई व्यक्ति इस धरती पर रक्त-मांस का बना हुआ चलता-फिरता था।" मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं ने मानवीय अधिकारों की लड़ाई में गांधी के अहिंसात्मक दर्शन से प्रेरणा ली।ये प्रमाण हैं कि गांधी केवल भारत के नहीं, बल्कि समस्त मानवता के पथप्रदर्शक थे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि इस बार भी हम गांधी जयंती पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण करेंगे और करना भी चाहिए। साथ ही उनके विचारों को व्यवहार में उतारने के प्रयास भी करना चाहिए हैं। मेरे विचार में गांधी जी को असली श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम अपने आचरण में सत्य और अहिंसा तथा सुचिता को स्थान दें,राजनीति में नैतिकता लाएँ, ग्राम विकास को प्राथमिकता दें, स्वदेशी उत्पादों को महत्व दें और त्याग-सेवा से ओतप्रोत जीवन जिएँ। गांधी जी का वाक्य "आप उस परिवर्तन का हिस्सा बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं",हमारे लिए आज भी दिशा-सूचक है। यदि इसे अपनाया जाए तो गांधी के देश में गांधी के सिद्धांत किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि जन-जन के जीवन को आलोकित करेगा और भारत को नई दिशा प्रदान करेंगे।

डा.मनमोहन प्रकाश

संपादकीय

महात्मा गांधी का चिंतन सत्कर्मो की सुवास से महकता गुलदस्ता था

गांधी -दर्शन विश्व से, कभी नहीं मिट सकता

भारतीय इतिहास में दो अक्टूबर का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण माना जाता है। जैसे चैत्र सुदी तेरस के दिन भगवान महावीर, वैशाखी पूर्णिमा के दिन महात्मा बुद्ध, चैत्र सुदी नवमी के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भाद्रव कृष्ण अष्टमी के दिन श्रीकृष्ण का इस धरा पर अवतरण हुआ था। उसी प्रकार दो अक्टूबर का दिन पराधीन भारत की स्वतन्त्रता के इतिहास में एक स्वर्ण किरण बनकर आया। आज के दिन जिस महापुरुषों ने जन्म लिया वह साधारण मानव ही था, किन्तु उस दुबली-पतली-सी काया में असाधारण आत्मबल, अद्भुत मनोबल का एक पूंजीभूत प्रकाश छिपा था, जिसकी प्रकाश किरणों ने दासता दुर्बलता, अज्ञान और अशिक्षा के घनीभूत अंधकार को चीर कर सम्पूर्ण एशिया खंड में स्वतन्त्रता, स्वाधीनता, अहिंसा और देश प्रेम का आलोक भर दिया। भारतीय जीवन के सुप्त आत्मविश्वास को जगा दिया। उसने सिद्ध कर दिया कि हिंसा, आतंक, लूट और भय आधार पर टिकी सत्ता, बन्दूक, तलवार और बमों के बल पर भोली प्रजा का शोषण करने वाली विदेशी ताकत अहिंसा और सत्य, देशप्रेम और आत्म-बलिदान की महाशक्ति के समक्ष टिक नहीं सकती।

गाँधीजी का जीवन सद्गुणों का सत्संकल्पों का एक प्रेरणा स्रोत था। उनके विचार, उनका आचार, उनके संस्कार और उनका व्यवहार सत्य ,अहिंसा, स्वावलम्बन, सादगी और सदाचार का मूर्तिमंत स्वरूप था। गाँधी का चरित्र, गाँधी का चिन्तन सत्कर्मों की सुवास से महकता गुलदस्ता था। उनके सम्पर्क में आने वाले सैंकड़ों-हजारों कार्यकर्ताओं का जीवन सद्?गुणों व स?द्विचारों की सुवास से महक उठा था। गाँधीजी के अनुयायी थे- विनोबा भावे, डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल आदि। उनका जीवन तो राष्ट्र के लिए प्रकाशपुंज बना ही किन्तु केवल गाँधीजी के निकट रहने वालों का, उनके क्षणिक संपर्क में आने वालों का जीवन भी उनके सद्विचारों की सुगंध से महकने लग गया था। गुजरात के पोरबन्दर शहर में एक धार्मिक गुजराती परिवार में दो अक्टूबर के दिन जिस तेजस्वी बालक का जन्म हुआ उसका नाम था मोहनदास । लोग उसे मोहनदास कर्मचन्द गाँधी के नाम से जानने लगे। बालक मोहनदास जन्म से ही कुछ विलक्षण गुणों का पुंज था। माता-पिता के संस्कार, परिवार के वातावरण से प्रभावित होकर उसमें जन्म से ही सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्त्तव्य भावना और संकल्पशीलता के सद्?गुणों का विकास हुआ। यूं तो माता के गर्भ से सभी व्यक्ति एक शिशु के रूप में जन्म लेते हैं। जन्म लेते ही कोई महापुरुष या बड़ा आदमी नहीं होता। जिस प्रकार छोटे-छोटे वाक्यों से महाग्रन्थ बनता है। छोटी-छोटी काव्य पंक्तियों से महाकाव्य बनता है। छोटी-छोटी लकीरों से सुन्दर भव्य चित्र बनता है। एक-एक ईट जुटकर विशाल भवन बन जाता है, उसी प्रकार एक-एक छोटा-छोटा सदुण, जीवन के प्रति सतर्कता, निष्ठा और कर्त्तव्य के प्रति समर्पण की छोटी-छोटी बातें ही साधारण व्यक्ति को असाधारण महापुरुष बनाती है।

मोहनदास को महात्मा गाँधी बनाने में उनकी माता का तो प्रभाव था ही, किन्तु उसके साथ उनके जीवन निर्माण में दो और सत्पुरुषों का अविस्मरणीय योगदान रहा। एक-गुजरात में विराजित स्थानकवासी जैन संत बेचरदासजी, जिन्होंने विदेश जाते समय उन्हें मांस-सेवन और पर-स्त्रीगमन का नियम दिलाया और दूसरे थे श्रीमद् राजचन्द्र। गाँधीजी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- 'मुझे गाँधी से बापू तक पहुँचाने में इन दोनों का अविस्मरणीय योगदान है।'

महात्मा गाँधी के जीवन का हम अध्ययन करें, उनका चरित्र पढ़ें तो पता चलेगा कि वे छोटे-छोटे कार्यों में भी हर समय सतर्क व जागरूक रहते थे। प्रत्येक बात में अपने सिद्धांत और आदर्श को सामने रखते थे। वे काम को केवल वर्तमान की दृष्टि से नहीं, किन्तु दूर भविष्य की दृष्टि से तोलते थे। उनकी सोच दूरगामी थी। एक कंकर फैंकने से पानी की लहरें उत्पन्न होती है और वह धीरे-धीरे समूचे तालाब को स्पन्दित-तरंगित कर देती है। एक तिनका निकालने से झौंपड़ी का एक छोटा-सा भाग की खाली नहीं होता, किन्तु झौंपड़ी की पूरी सघनता को चरमरा देता है। एक ईट निकालने से विशाल भवन में क्या फर्क पड़ता है, परन्तु धीरे-धीरे वह पूरी बिल्डिंग को हिला देता है। यही सिद्धांत जीवन का है और गाँधीजी इसी सिद्धांत को मानते थे, जीते थे। वे जीवन की छोटी-छोटी बातों में अत्यन्त सावधान और सजग रहते थे। उसके दूरगामी परिणामों का विचार करते थे।

सन 1909की बात है। अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन सफलता पूर्वक चलाकर वे किसी कार्य से लन्दन गये थे। लन्दन में कई भारतीय नवयुवक पढ़ते थे। उनके प्रवास के समय भारतीय छात्रों ने एक समारोह का आयोजन किया। उस समारोह में पहले भोजन और फिर भाषण का कार्यक्रम रखा गया। इसके अध्यक्ष बनाये गये गाँधीजी को। गाँधीजी ने भोज में भी शामिल होना स्वीकार कर लिया पर शर्त यह रखी कि भोज में मांस नहीं रखा जायेगा। युवकों ने शर्त मान ली और एक हॉल किराये पर लेकर भोजन का प्रबन्ध करने लगे। छात्रों ने सारा काम अपने ही हाथों से किया। इसी बीच गाँधीजी भी वहाँ पहुँच गये और चुपचाप बर्तन माँजने लगे। वहाँ उपस्थित विद्यार्थियों में से उन्हें कोई भी नहीं पहचानता था। गाँधीजी बिना अपना परिचय दिये आरम्भ से आखिर तक बर्तन माँजने में लगे रहे। जब सारी तैयारियाँ हो गयीं तो सभा के उपप्रधान वहाँ आये, वे गाँधीजी को पहचानते थे। पहचान कर उन्होंने जैसे ही विद्यार्थियों को उनका परिचय दिया, विद्यार्थी दंग रह गये। छात्रों ने गाँधीजी को यह काम करने से बहुत रोका, पर उन्होंने काम नहीं छोड़ा। इसी प्रकार आश्रम में भी बापू ने स्वयं के आचरण द्वारा वहाँ के कार्यकर्ताओं को दैनिक जीवनचर्या में स्वावलम्बी बनना सिखाया था। मौखिक रूप से उन्होंने किसी से नहीं कहा कि अपना काम अपने हाथ से करें, बल्कि जिस तरह की रीति-नीति उन्होंने अपनायी उससे स्वभावतः सब लोग यह नियम अपनाने के लिए बाध्य हो गए। गाँधीजी वाणी से कम, आचरण से ही उपदेश देते थे और उसका प्रभाव भी स्थायी पड़ता था।

गाँधीजी के अनुकरणीय गुणों का, उनके जीवन-दर्शन का, वस्तुतः गाँधीवाद का वर्णन किया जाए तो एक बड़ा ग्रंथ भी छोटा पड़ेगा। गाँधीजी का जीवन सत्य-अहिंसा-प्रेम की एक जीती-जागती प्रयोगशाला थी। भगवान महावीर के छब्बीसों वर्षों बाद उनकी अहिंसा को जितनी सूक्ष्मता और सार्वभौमता के साथ गाँधीजी ने समझा और समझदार जीवन में प्रयोग किया, अहिंसा की अजेय शक्ति से संसार को परिचित कराया, वह अपने आप में महत्वपूर्ण है।

उनके जैसी दृढ़ संकल्पशीलता, नियम निष्ठा, ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा और जनता जनार्दन के प्रति सेवा व सद्भावना अद्भुत थी। सच पूछे तो उनकी हिमालय-सी संकल्प दृढ़ता ने ही दो सौ वर्षों से राज करती दुर्दान्त विदेशी सत्ता की जड़े हिला दीं। कहावत है 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता' परन्तु इस कहावत को झूठी कर दिया गाँधी ने। अकेले गाँधी ने भारत की सुप्त आत्मा को जगा दिया। देश की अस्मिता को प्रचण्ड बना दिया। अकेली एक चिनगारी ने ब्रिटिश सत्ता के महावन को जलाकर राख कर डाला। सत्य अहिंसा की एक ही हथौड़ी ने गुलामी और पराधीनता की बेड़ियों को तोड़कर चूर-चूर कर दिया। यह बल उनके दुबले-पतले शरीर का नहीं, किन्तु सुदृढ़ जागृत आत्मा का था। सत्य, अहिंसा का बल था। आज गाँधी जयन्ती के दिन हम उनके चरित्र की छोटी-छोटी बातों का स्मरण कर उनसे प्रेरणा लें तो हमारे भीतर भी एक गाँधी जैसा पौरूष पैदा हो सकता है। आने वाली पीढ़ियाँ शायद यह विश्वास भी करें या न करें कि 'गाँधी नाम का एक ऐसा व्यक्ति भी हुआ था जिसने अकेले ही बिना तीर-तलवार के, बिना जादू-टोने के इतनी विशाल ब्रिटिश सत्ता को उखाड़ फेंका और भारतमाता को स्वतन्त्रता के गौरव से मण्डित किया।' एक व्यक्ति ने हजारों त्यागी, बलिदानी, विद्वानों और देशभक्तों की एक फौज खड़ी कर दी। यह सब एक चमत्कार से कम नहीं है। संसार चमत्कार को नमस्कार करता है। गाँधीजी ने सचमुच एक चमत्कार पैदा कर दिया। आज हम उस सत्य, अहिंसा के चमत्कारी पुरुष को याद करके प्रेरणाएँ लें। यही गाँधी जयंती का सन्देश है।

महात्मा गांधी और तत्कालीन गण्यमान्य राष्ट्रनेताओं के विचारों के आशादीप उन्हीं के साथ बुझ गये। स्वराज्य तो आया, मगर सुराज्य नहीं आया। गांधी के रामराज्य का सपना हे राम! हे राम! कहते-कहते उनकी मृत्यु के साथ ही नष्ट हो गया। हम उजाले के लिए निकले और अँधेरा ले आये, तो यह दोष किसका है? जोश में हम होश भूल गये। रामराज्य के स्थान पर रावण-राज्य का दृश्य उपस्थित हो गया।लूटमार, हत्या, डकैती, बलात्कार व आतंक के राक्षस अपने पंजे फैला रहे हैं। भुला दिया है हमने राम को, उन राम को, जो भारतीय संस्कृति के महामानव थे। ह्यजिन पर भारतीय संस्कृति को गर्व रहा है। राम आज भी एक जाज्वल्यमान प्रकाश-स्तंभ हैं, जिनकी प्रकाश-किरणें सम्पूर्ण भारतीय संस्कृति की वैदिक व श्रमण धारा को प्रकाशित कर रही हैं। भूले-भटके राहियों का मार्ग प्रदर्शन कर रही हैं। भारत-भूमि के करोड़ों नर-नारी श्रद्धा के साथ श्रीराम का स्मरण करके स्वयं को धन्य समझ रहे हैं। वह इसलिए कि उनका शासनकाल भारतीयों के लिए स्वर्णिम काल था। सब प्रसन्न थे उस काल में, सच का सम्मान व झूठ को दण्ड था रामराज्य में। हमें प्रसन्न रहना है तो पुनः अतीत की ओर लौटना होगा। जाना होगा रामराज्य की ओर, और देना होगा समाज को उसका व्यक्तित्व और उसका अपना अधिकार। क्या इसके लिए हमने व सरकार ने कुछ किया है?आज हम उस सत्य, अहिंसा के चमत्कारी पुरुष को याद करके प्रेरणाएँ लें। यही गाँधी जयंती का सन्देश है। अंततः देश मे गांधी के विचार और देश के लिए लिए गए निर्णय से लोगो के मन मे विरोधाभास चल रहा है।लेकिन उनकी कुछ मजबूरियां भी रही होगी।

कांतिलाल मांडोत

शब्दों की शक्ति- कलम और वाणी का चमत्कार

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन-कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार है; अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी-कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि "बोलने और लिखने से पूर्व बार-बार सोचो।" क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है।

राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह है-- प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और दोहों से जन-मन में रमे हुए हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन-जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास-साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी।

इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत-मनीषियों ने कहा "संभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।" अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति-दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है। यही भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा का संदेश है कि शब्दों को सोच-समझकर, तौलकर और प्रेमपूर्वक प्रयोग किया जाए।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर की टक्कर से छात्रा घायल, चालक पर मुकदमा दर्ज

छात्रा की हालत नाजुक, लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बसंतपुर कठोइया गांव के निकट ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए लखनऊ में भर्ती कराया गया। घायल छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। गोविंदपुर कठोइया गांव निवासी शिवदास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बेटी नैना (18) रोज की तरह श्रीगणेश विद्यालय इंटर कॉलेज ऐहार से पढ़कर साइकिल से घर लौट रही थी। तभी गांव के ही निकट रामचंद्र ने लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में उसकी साइकिल भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित ने बताया कि बेटी को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बीएमपीएस प्रबंध-निदेशक ने असनी आश्रम में किया स्वात्मानंदेश्वरी मूर्ति की स्थापना।

लालगंज,रायबरेली। बैसवारा क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी व बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल ग्रुप के प्रबंध-निदेशक सुनील सिंह व उनकी पत्नी श्रीमती सुमन सिंह ने प्रभु-इच्छा और अपने पारिवारिक आध्यात्मिक गुरु स्वामी स्वात्मानंद जी महराज के दिशा-निर्देशन में दिगंबर आश्रम असली,फतेहपुर में स्वात्मानंदेश्वरी माता जी की मूर्ति की स्थापना 23 सितंबर 2025 मंगलवार को पूरे विधि विधान से की। उल्लेखनीय है कि श्री सिंह बैसवारा क्षेत्र में शिक्षा के उत्थान के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहे हैं साथ ही क्षेत्र धार्मिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं और विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते आए हैं। मूर्ति स्थापना करने के बाबत उन्होंने बताया कि ईश्वर की इच्छा के अनुसार ही यह सब कार्य संपन्न होते हैं बिना ईश्वर की आज्ञा के कोई भी कार्य नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर शांतनु सिंह,खुशबू सिंह,सिद्धार्थ सिंह,शालिनी सिंह,किशन सिंह,बबलू सिंह,अव्यक्त सिंह,अनन्या सिंह, शिंजिनी सिंह आदि पारिवारिक सदस्यों सहित सैकड़ो की संख्या में दूर- दराज से आए हुए भक्त-जन उपस्थित रहे।

कोतवाली प्रभारी ने प्रशस्ति पत्र देकर होमगार्ड को किया सम्मानित

महराजगंज/रायबरेली- विगत माह की भांति इस माह भी 1 अक्टूबर 2025 को लोगों के प्रति अच्छा कार्य व्यवहार अच्छी ड्यूटी एवं साफ सुथरा वर्दी से प्रभावित होकर कोतवाली प्रभारी व पी?सी? इंद्रमणि सिंह द्वारा होमगार्ड रमेश कुमार मिश्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि, प्लाटून कमांडर इंद्रमणि सिंह चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, महीने के 1 तारीख को एक महीने के बेहतर कार्य व्यवहार साफ सुथरा वर्दी तथा समय से ड्यूटी करने के मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव द्वारा हर महीने एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में आज 1 अक्टूबर को कोतवाली परिसर महराजगंज में होमगार्ड रमेश कुमार मिश्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसआई दिनेश गोस्वामी, एसआई सुनील सिंह, हेड मुहारिर रविकांत पाण्डेय ,दीवान अजय चौधरी, हिमांशु सचान,सन्दीप, कुंदन, धर्मेंद्र कुमार पांडेय, होमगार्ड रामप्रताप यादव, मेवालाल, आशीष त्रिवेदी, लाल मोहम्मद, रामकुमार सिंह, रामदास यादव, शिवकरन यादव, राम यश मौर्य, राम सुफल, ईशा मोहम्मद, कमलाकांत शास्त्री, तेज कुमार, दिनेश सिंह, राजेश सिंह, माताफेर, सुरेश यादव सहित आदि मौजूद रहे।

सूचना

मेरा नाम उजैर अहमद(ujair Ahmad) पुत्र जावेद अहमद (Javed Ahamad) ग्राम रसूलपुर टोला परसपुर पोस्ट शिवपति नगर जनपद सिद्धार्थनगर का निवासी हूं । मैने उजेर अहमद (ujer Ahamad)और पिता का नाम जावेद अहमद (Javed Ahamad)परिवर्तन कर लिया है, अब मुझे इसी नाम से जाना जाय।

पेड़ से लटका मिला मज़दूर का शव परिवार पर टूटा दुख का पहाड़, दो युवकों से हुआ था विवाद

● आत्महत्या और हत्या के बीच उलझा केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वसीम बेग जिला ब्यूरो

सीतापुर जनपद सीतापुर के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के परसौली गांव में मंगलवार देर शाम को उस समय हड़कंप मच गया जब खेतों के बीच आम के पेड़ से एक मजदूर का शव लटकता हुआ मिला मृतक की पहचान 50 वर्षीय जोधे पुत्र गोबरे निवासी परसौली के रूप में हुई है नग्न अवस्था में शव मिलने से यह मामला आत्महत्या और हत्या के बीच उलझ गया है हालांकि पुलिस इसे आत्महत्या मानकर तफ्तीश कर रही है। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार मृतक दोपहर जोधे का गांव के ही कुछ लोगों संदीप और कुलदीप से सिलाई के पैसों को लेकर विवाद हुआ था परिजनों का आरोप है कि विवाद के दौरान उन लोगों ने जोधे के साथ मारपीट भी की थी।

इसके बाद वह घर से निकल गए और देर शाम तक वापस नहीं लौटे परिजन और ग्रामीण उनकी तलाश में जुटे तो गांव से करीब एक किलोमीटर दूर मेढ़ई के खेत में उनका शव आम के पेड़ से लटकता हुआ मिला घटना की जानकारी होते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई मृतक जोधे का परिवार पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं दोनों की शादी हो चुकी है घर का खर्च मुख्य रूप से जोधे और उनका बेटा पवन मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह चलाते थे। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है सूचना मिलते ही मिश्रिख पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी परिजन और ग्रामीण व्यक्ति की मौत से सहमे है!!

पुलिस को मिली कामयाबी 48 घंटे में कार लूट का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर की महोली पुलिस ने मात्र 48 घंटे के भीतर कैब चालक से कार लूट की सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर दिया मंगलवार देर रात एसओजी और महोली कोतवाली की पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी अपराधी जफरुद्दीन खान को गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है पुलिस ने बदमाश के कब्जे से लूटी गई वैगनार कार, अवैध तमंचा, कारतूस और नगदी बरामद की गई है घटना 28 सितंबर की है जब थाना महोली क्षेत्र के हाईवे पर कैब चालक से असलहे के बल पर बदमाशों ने वैगनार कार लूट ली गई थी। इस घटना को लेकर एसपी ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे निर्देशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी महोली नागेंद्र चौबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार देर रात को बड़ी सफलता हासिल की सीओ महोली नागेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बिना नंबर की वैगनार कार से कुछ संदिग्ध लोग आ रहे हैं सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने महोली-पिसावा रोड पर चड़रा गांव के पास वाहन को रोकने का प्रयास किया इस दौरान कार सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा और गिरफ्तारी के उद्देश्य से फायर किया जिसमें जफरुद्दीन खान पुत्र कासिम खान निवासी अभयपुर, केसोपुर, भोजीपुरा, जनपद बरेली के पैर में गोली लगी। और वह दबोच लिया गया पुलिस ने घायल आरोपी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया जफरुद्दीन थाना महोली में दर्ज मुकदमे में वांछित था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था पुलिस की इस कार्रवाई से लूट की वारदात का पर्दाफाश हुआ है!!

पुलिसकर्मियों ने 151 कन्याओं के पैर धुलकर किया पूजन, महानवमी पर पुलिस लाइन में कन्या भोज कर बांटे उपहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शारदीय नवरात्र की महानवमी के अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस लाइन में बुधवार को कन्या भोज का आयोजन किया गया। पुलिस अधिकारियों ने परंपरागत विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया और उपहार भेंट किए पहली बार पुलिस लाइन में हुए इस आयोजन से पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में 151 कन्याओं को आमंत्रित कर भोज कराया गया कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर सीओ सिटी विनायक भोसले और सीओ सदर नेहा त्रिपाठी ने उनके चरण धोकर पूजन किया और आरती उतारी इस दौरान पूरा वातावरण ÷जय माता दी÷ के जयकारों से गूंज उठा कन्याओं ने भी माता के गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया कन्या भोज के उपरांत एएसपी उत्तरी आलोक सिंह ने सभी कन्याओं को दक्षिणा और उपहार प्रदान किए उपहार पाकर बच्चियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। पुलिस अधिकारियों का यह रूप देखकर नन्हीं कन्याएं प्रसन्न दिखीं और अभिभावकों ने भी आभार जताया सीओ नेहा त्रिपाठी ने कहा कि कन्या पूजन केवल परंपरा ही नहीं बल्कि समाज को बेटियों के सम्मान और सुरक्षा का संदेश देने का माध्यम भी है कार्यक्रम को लेकर पुलिस लाइन में विशेष तैयारी की गई थी भव्य पंडाल सजाया गया और कन्याओं के लिए विशेष रूप से भोजन की व्यवस्था की गई। अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने कन्याओं को स्वयं परोसा और पूरे आदर के साथ भोजन कराया इस अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया पुलिस लाइन में पहली बार आयोजित इस कन्या भोज ने नवरात्रि पर्व की आस्था और मिशन शक्ति के उद्देश्य को एक साथ जोड़ते हुए विशेष मिसाल कायम की!!

शैलेन्द्र अग्निहोत्री संस्कार भारती के जिला उपाध्यक्ष रायबरेली मनोनीत

● यह संस्था देश में साहित्य एवं संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रयत्नरत है - गिरीश चंद्र मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की इकाई संस्कार भारती की बैठक शहर के एक प्रतिष्ठित होटल सूर्या में आयोजित की गई।इस दौरान सर्वसम्मति से यूपी ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी व पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख सरेनी शैलेंद्र अग्निहोत्री को रायबरेली का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।श्री अग्निहोत्री की ओर से संस्थान में सामाजिक योगदान देने का संकल्प लिया गया। इस बाबत नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष का स्वागत किया गया।इस दौरान यूपी ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि संस्कार भारती कला के साथ-साथ वैचारिक चिंतन की संस्था है।यह संस्था देश में साहित्य एवं संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रयत्नरत है।साथ ही साथ संस्कार भारती की अवधारणा को धरातल पर उतारने के लिए एकजुट होकर आगे आने पर जोर दिया।श्री मिश्र ने कहा कि आज की देश काल परिस्थिति को देखते हुए संस्कार भारती की समाज में महती आवश्यकता है।

महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आज

बिसवां,सीतापुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन सेठ जयदयाल इंटर कॉलेज सभागार में 02 अक्टूबर को सुबह 9 बजे होगा। उक्त कार्यक्रम हिन्दी दैनिक समाचार पत्र सिराज टाइम्स द्वारा होगा। कार्यक्रम संयोजक सम्पादक सिराज अहमद ने सभी से संगोष्ठी में समय से पहुंचने की विशेष अपील की है। कार्यक्रम समन्वयक संदीप मिश्र सरस ने भी कार्यक्रम को कामयाब बनाने हेतु विनती की है। उक्त अवसर पर आकाशवाणी लखनऊ उद्घोषक एवं सशक्त रचनाकार राहुल द्विवेदी 'स्मित' एवं अर्शउद्दीन खान 'रहबर प्रतापगढ़ी' सहित अन्य का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान देशभक्ति और उक्त दोनों महान नेताओं के आदर्शों पर चर्चा होगी।

हमें नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज के साथ-साथ अपने खान-पान पर ध्यान देना होगा:-डा0 के0 डी0 जोशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज के साथ-साथ अपने खान-पान पर हमें ध्यान देना होगा हमें शुगर व ज्यादा तली भुनी चीजों से परहेज करना होगा। उक्त विचार जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर के डी जोशी ने जरनल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया के तत्वाधान में श्री पीतांबरा शिक्षा समिति एवं केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल पारा सराय द्वारा ग्राम सभा केरसौरा लहरपुर में आयोजित स्वास्थ्य मेले में लोगों को संबोधित करते हुए विचार व्यक्त किये। उन्होंने बताया अगर आपको हृदय संबंधी कोई भी समस्या है तो उसकी नियमित जांच अवश्य कराये और बीपी की दवाएं नियमित रूप से लेते रहे कार्यक्रम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुधीर चौधरी ने लोगों का परीक्षण कर एक्सरसाइज भी कराई और दवाइयां वितरित की महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मधुलिका राय एवं डॉक्टर मोहम्मद इलियास के द्वारा लोगों को जांच कर दवाइयां वितरित की गई मेले में 317 रोगियों का परीक्षण एवं जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गई मेले में आए हुए सभी अतिथियों का केपी सिंह ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर एसपी सिंह ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐश्वर्य प्रताप सिंह शिवपूजन सिंह अंशुमान सिंह मास्टर मोहम्मद आजम डॉक्टर मोहम्मद गनी डॉक्टर मोहम्मद जमा समेत सम्मानित ग्रामवासी तथा नागरिक उपस्थित रहे।

मलिहाबाद के शीतला देवी मंदिर में महानवमी पर हुआ कन्या पूजन और विशाल भंडारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व महानवमी पर मलिहाबाद के ऐतिहासिक माँ शीतला देवी मंदिर में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों छोटी कन्याओं का पूजन कर उन्हें देवी का रूप मानकर भक्तों ने उनका आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ कन्याओं को हलुआ, पूरी, खीर और फल का प्रसाद खिलाया। इसके अतिरिक्त, उन्हें विभिन्न उपहार और दक्षिणा भी भेंट की गई। भक्तों ने कन्याओं के चरण वंदन कर सर्व कल्याण की कामना की।

कन्या पूजन संपन्न होने के बाद, मंदिर में पारंपरिक भंडारा शुरू किया गया, जो देर रात तक निरंतर चलता रहा। इस विशाल भंडारे में हज़ारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। माँ शीतला देवी मंदिर जीर्णोद्धार सेवा समिति के सदस्यों, जिनमें सोहनलाल, सुरेश कश्यप, अरूण कश्यप, संतोष राठौर, हरिश्चन्द्र गौतम, अशोक, कैलाश, अमनेश कश्यप आदि शामिल थे, ने बताया कि शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। समिति के सदस्यों ने बताया कि क्षेत्र के अनेकों श्रद्धालु कन्याओं का पूजन, भोग, श्रृंगार कराकर उन्हें उपहार प्रदान करते हैं।

इस पावन अवसर पर स्थानीय भाजपा विधायक जयदेवी कौशल ने भी भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया और सभी को महानवमी की शुभकामनाएँ दीं। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक और सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

दिनदहाड़े गाड़ी से 40 हजार की टप्पेबाजी, पीड़ित ने की पुलिस से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/ रायबरेली। महराजगंज पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर टप्पेबाजी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। रजिस्ट्री ऑफिस के सामने खड़ी गाड़ी मे रखें एक बैग में चालीस हजार रुपए अज्ञात टप्पेबाज ने दिनदहाड़े उड़ा लिए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक, रजिस्ट्री ऑफिस के पास रद्दी पेपर और चाय की पॉलिथीन बेचने का काम करने वाले संदीप बाजपेई अपनी गाड़ी वहीं खड़ी कर किराना दुकान में पॉलिथीन देने गए थे। इसी बीच गाड़ी का लॉक खुला पाकर अज्ञात टप्पेबाज ने गाड़ी में रखा लगभग 40 हजार रुपये निकाल लिए और फरार हो गया। घटना का पता चलते ही पीड़ित हक्का-बक्का रह गया। तो वहीं दिनदहाड़े घटित हुई इस घटना से कस्बे के व्यापारियों सहित क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोग एक दूसरे से चर्चा करते नजर आए , वहीं घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार के निर्देशन पर कोतवाली पुलिस हरकत में आई और अगल-बगल लगे सीसीटीवी फुटेज जांच कर टप्पेबाज का पता लगाने में कड़ी मशक्कत कर रही है।

संदीप बाजपेई ने तत्काल पुलिस को मामले की सूचना दी और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और टप्पेबाज की तलाश की जा रही है मामले में क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार का कहना है कि घटना संज्ञान में है कोतवाली पुलिस को अगल-बगल लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर तुरंत टप्पेबाज को पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

कन्याओं के पांव पखार कर शुरु हुआ भण्डारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। माता बाराही देवी मंदिर मे नवरात्रि की नवमी तिथि पर सैकडों कन्याओं के पांव पखार कर विधि विधान से उनका पूजन कर हलवा पूरी व अन्य मिष्ठान्न एवं फलों का भोग लगाकर पूजा की गयी। सर्व कल्याण का आशीर्वाद लेकर मन्दिर परिसर मे गुरुवार को विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

बाराही देवी मंदिर कमेटी की अगुवाई मे आयोजित भण्डारे के कार्यक्रम मे क्षेत्रीय लोगों ने बढ चढकर हिस्सेदारी निभाई। समिति के गंगाधर दीक्षित, बलबीर सिंह, अवधेश सिंह, राघवेंद्र त्रिवेदी, आचार्य नील कमल पांडेय, मोहित सिंह, मधुर त्रिपाठी आदि ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से होने वाले इस परम्परागत भण्डारे मे कन्याओं का पूजन कर हजारों लोग शामिल होते है। शक्तिपीठ की मान्यता के चलते तमाम श्रद्धालू अपने बच्चों के मुण्डन संस्कार आदि कराने के बाद भण्डारे मे प्रसाद पाते है।कमेटी ने बताया कि कई वर्षो से शारदीय नवरात्रि के पर्व पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किये जाते है अष्टमी तिथि को अवधेन्द्र प्रपन्नाचार्य द्वारा रामकथा का समापन हवन सम्पन हुआ जबकि देर रात तक विशाल भण्डारा चलता रहा।

टीईटी अनिवार्यता मामले में शिक्षक संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

● टीईटी समस्या को लेकर प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री से करेंगे बात - राम प्रसाद चौधरी

आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा सुरक्षित करे सरकार - चन्द्रिका सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने बुधवार को सांसद राम प्रसाद चौधरी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से मुक्त किए जाने व सेवा सुरक्षा की मांग किया। शिक्षकों की मांग पर सांसद ने उचित कार्रवाई और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारत सरकार ने सेवा शर्तों में संशोधन किया और सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उसे बाध्यकारी किए जाने से शिक्षक समाज में मायूसी है। उन्होंने कहा कि आरटीई लागू होने से पहले जो शिक्षक नियुक्त हुए हैं उनकी सेवा से छेड़छाड़ ना किया जाए इसके लिए सरकार आवश्यक कदम उठाकर उनकी सेवा संरक्षित करे। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा और जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश से शिक्षकों के समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। भारत सरकार की तरफ से गुप-चुप तरीके से किए गए संशोधन से देश भर में लाखों शिक्षकों के समक्ष बेरोजगारी की समस्या दिखने लगी है। शिक्षक की भर्ती के समय जो भी मापदंड तय थे उन्हें पूरा करने के बाद ही शिक्षक भर्ती हुई। ऐसे में केन्द्र सरकार द्वारा बीच नौकरी में नियमों में बदलाव करके शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने मांग किया कि सरकार नियमों में संशोधन करके शिक्षकों को टीईटी से छूट देते हुए तत्काल राहत दे। सांसद ने कहा कि यह मुद्दा बहुत ही संवेदनशील है उन्होंने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि आगामी संसद सत्र में वह इस मुद्दे को संसद में अवश्य उठाएंगे साथ ही प्रधानमंत्री और मानव संसाधन मंत्री से मिलकर आरटीई से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से राहत दिलाने के बात करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरा प्रयास करेंगे कि एक्ट में संशोधन करते हुए पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को इससे राहत दिलाया जाए। ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से सुधीर तिवारी,प्रवीण श्रीवास्तव, शिवप्रकाश सिंह,सनद पटेल,प्रताप नारायण,संतोष जायसवाल, रवीश मिश्र,विवेककान्त पाण्डेय, सुरेश गौड, उमाकांत शुक्ल, हृदय विकास पांडेय, मक्खन लाल, अनिल पाठक, मोहम्मद असलम, अशोक पाण्डेय, शेष मणि पटेल, विनोद कुमार, चन्द्र प्रताप पाल, संदीप कुमार, सुनील भट्ट, विजय यादव, पवन यादव, मनीष कुमार, धर्मराज यादव, अशोक चौधरी, संदीप यादव, सुरेन्द्र यादव, मनोज यादव, मनोज चौरसिया, जितेंद्र कुमार, राम भवन यादव, आशाराम यादव, धर्मेंद्र कुमार रामजीत यादव, धर्मेंद्र पाण्डेय, अशोक यादव, राजीव सिंह, राजकुमार श्रीवास्तव, रामकल्प, संजय चौधरी, कांति सेन, रामकुमार वर्मा, राजेश वर्मा, विकास श्रीवास्तव, अनीश अहमद, असद खान, कमर खलील, शेषनाथ यादव, रजनीश, मंगला, हरेंद्र यादव, बब्बन पाण्डेय, प्रसून श्रीवास्तव, चंद्रशेखर, लाल साहब, सुभाष, राजेश, मुरली धर, अखिलेश चंद्र यादव, ज्ञान दास चौधरी, चंद्र प्रकाश, शैलेंद्र कुमार, जय दत्त, रामजीत, राजेश कुमार, प्रकाश गौतम, देवी शरण, रामसागर वर्मा, राम पियारे कनौजिया, उमेश चंद्र राव, अजय कनौजिया, उमाशंकर बौद्ध, विनोद प्रकाश वर्मा, शिवरतन, राम भवन यादव, राम स्वरूप, जितेन्द्र, रामअजोर, इरफानुर्रहमान, आरिफ, मसूद अहमद, हेमंत कुमार, पवन यादव, राजेश, प्रेम प्रकाश, सुशील पांडेय, दुष्यंत सिंह आदि शामिल रहे।

मेला देखने निकले किशोर व युवती को ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगे डंपर ने दोनों को कुचला दोनों की मौत

● ग्रामीण ने किया राष्ट्रीय राजमार्ग जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

(बलिया) बैरिया क्षेत्र घर से दशहरा का मेला देखने निकले स्कूटी पर सवार किशोर व युवती को ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगे डंपर ने बुधवार दोपहर बाद बैरिया दलित बस्ती के सामने दोनों को कुचल दिया जिससे दोनों की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि बिहार के भोजपुर जनपद अंतर्गत बड़ारहा थाना क्षेत्र के खवासपुर गांव निवासी रितिक यादव 13 वर्ष अपने फकरू टोला निवासी मौसेरी बहन देवचरण यादव की 20 वर्षीय पुत्री निशा यादव के साथ स्कूटी से दशहरा मेला देखने के लिए बैरिया आए थे। मेला घूमते घूमते दोनों लोग रेवती में दुर्गा पूजा देखने चले गए वहां से लौटते समय बैरिया दलित बस्ती के पास मांझी के तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने धक्का मार दिया जिससे किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। युवती को लोगों ने सीएचसी सोनबरसा पहुंचायां जहां चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जहां जाते समय उसकी भी रास्ते में मौत हो गई। डंपर चालक डंपर लेकर भागना चाहिए किंतु, ग्रामीणों ने डंपर को घेर लिया जिसे देखते हुए चालक डंपर छोड़कर भाग खड़ा हुआ।

घटना से आक्रोशित लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग 31 को दलित बस्ती के सामने जाम कर दिया, जहां नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि मंटन वर्मा ने लोगों को समझाना चाह किंतु सफलता हाथ ना लगा। वही घटना की सुचना पर पहुंचे पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, विधायक जयप्रकाश अंचल भी घटनास्थल पर पहुंच गए।जाम की सूचना पर एसडीएम आलोक प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर, क्षेत्राधिकारी मोहम्मद फहीम कुरैशी, प्रभारी निरीक्षक बैरिया मूलचंद चौरसिया के अलावा भारी संख्या में पुलिस बल रेवती, दोकटी, हल्दी की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अधिकारी जाम समाप्त करने के लिए बार-बार आग्रह कर रहे थे। लोगों का यह कहना था कि हर साल के भांति दशहरा मेला को देखते हुए बैरिया में नो एंट्री क्यों नहीं लगाया गया इसका जवाब पुलिस वालों के पास नहीं था। अधिकारी बार-बार जाम समाप्त करने का आग्रह आक्रोशित लोगों से कर रही थी किंतु लोग प्रशासन की बात नहीं सुन रहे थे। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण सड़क पर जमे हुए थे प्रशासन उनके मान मन्वौल में लगा हुआ था। सड़क जाम कर रहे लोगों ने दोनों मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड रुपए की सहायता व गाड़ी मालिक को मौके पर तुरंत बुलाने की मांग कर रहे थे। वहीं सड़क जाम के कारण एनएच 31 पर दोनों तरफ तीन से चार किलोमीटर लंबी कतार लगी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

गांव के वातावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बड़ा खतरा

183 ग्राम पंचायतों में तीन माह में एकत्रित हुई छह टन प्लास्टिक

प्लास्टिक मुक्ति यात्रा को डीपीआरओ ने किया रवाना

मथुरा। गांव के प्रदूषण रहित वातावरण को प्लास्टिक से बडा खतरा पैदा हो गया है। यहां तक कि जिन खेतों में किसान गोबर की खाद डालते हैं उन खेतों में भी बडी मात्रा में प्लास्टिक पहुंच रहा है। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े अंतर्गत डीएम के निर्देश जनपद की 183 ग्राम पंचायतों में चलाए जा रहे प्लास्टिक मुक्त ब्रज की रज अभियान के तहत गत तीन माह में 6 टन प्लास्टिक एकत्रित किया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं ब्रज की रज में प्लास्टिक नहीं फेंकने हेतु संदेश देने के उद्देश्य प्लास्टिक मुक्ति यात्रा आज प्रत्येक विकासखंड से प्रारंभ होकर विकासखंड नौहझील स्थित प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन इकाई में रीसाइकल हेतु भेजी गई। इस यात्रा का शुभारंभ जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने छाता ब्लाक पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी प्रकार शेष विकास खंडों में संबंधित खंड विकास अधिकारी द्वारा प्लास्टिक मुक्ति यात्रा को हरी झंडी देकर रवाना किया गया। डीपीआरओ ने बताया कि 8 मई को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को सांसद द्वारा प्लास्टिक मुक्ति यात्रा निकालने के बाद जून से सितंबर तक ग्राम पंचायत में लगभग 6 टन प्लास्टिक एकत्रित हुई जो प्लास्टिक मुक्ति यात्रा में सम्मिलित रही।

सोशल मीडियाः मजूदर को बता दिया पांच लाख का इनामी मोस्ट वांटेड

जिंदा या मुर्दा लाने वाले को किया इनाम का ऐलान

मथुरा। सोशल मीडिया का उपयोग किस तरह से किया जा सकता है, इसे देख कर पुलिस भी हैरत में पड गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ अनिल कुमार सिंह का कहना है कि मजदूर के नाम से एक आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। मामले में पीड़ित हेमेश ने थाना मगोर्रा में गांव के ही युवक के खिलाफ तहरीर दी है और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मथुरा के सौंख में मजदूर का अपराधी बताते हुए गांव के एक युवक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। साथ ही अपराधी को जिंदा या मुर्दा लाने वाले को पांच लाख रुपये देने की भी बात कही। पीड़ित ने पुलिस से गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना मगोर्रा के गांव पाली डूंगरा निवासी हेमेश मजदूरी का कार्य करता है। छह सितंबर को हेमेश के नाम से गांव के एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट किया। इसमें युवक ने लिखा कि डकैती, लूटपाट व हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश का मोस्ट वांटेड अपराधी हेमेश खुटेला को जिंदा या मुर्दा लाने पर पांच लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। हेमेश पर लोगों के फोन आना शुरू हो गया। पीड़ित हेमेश ने थाना मगोर्रा में गांव के ही युवक के खिलाफ तहरीर दी है।

वाहन पर जाति का नाम लिखा तो होगी कार्यवाही

महानगर में जगह जगह अभियान चला कर कार्यवाही की

मथुरा। वाहन पर जाति का नाम लिखा तो कार्यवाही होगी। गाडियों पर जाति सूचक शब्द लिखने पर पाबांदी लगाई गयी है। जाति सूचक शब्द लिखे दा पहिया और चार पहिया वाहनों पर कार्यवाही की जा रही है। मथुरा में तिराहे चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मी ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। वहीं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी ऐसे वाहनों के चालान काटे जा रहे हैं। शासन के आदेशानुसार वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखे होने पर शहर के हृदय स्थल होली गेट चौराहे पर चौकिंग के दौरान कार्यवाही करते यातायात पुलिस के हुए टी एस आई राकेश कुमार शर्मा एवं मुकेश कुमार द्वारा वाहनों का चालान किया। जिन वाहनों की नम्बर प्लेट पर नम्बर के स्थान पर जाति का नाम लिखा है उनके वाहनों पर मोटा जुर्माना लगाया जा रहा है। बुधवार को महानगर में जगह जगह अभियान चला कर ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की गई।

नए इकाई प्रमुख जीईटी के रूप में नौकरी में आए थे और इकाई प्रमुख तक बनने में सफल हुए

● नए इंजीनियरों के लिए कर्तव्य निष्ठा का मिसाल बनेंगे पीके सिंह।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इफको फुलपुर इकाई में श्री पी. के. सिंह ने इकाई प्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया।इसके पूर्व रहे इकाई प्रमुख संजय कुदेसिया 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो गए।और उसके उपरांत वह यह दायित्व श्री सिंह को सौंपा। यहां यह बता दे कि श्री पी. के. सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद के निवासी हैं। उन्होंने 1990 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा 1992 में थर्मल इंजीनियरिंग में परास्नातक की डिग्री हासिल की थी। वर्ष 1995 में उन्होंने इफको फुलपुर इकाई में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारम्भ कीं और फिर उसके बाद वे पीछे मुड़कर दूसरी संस्था को नहीं देखा। और30 वर्ष की लंबी अवधि तक फूलपुर इकाई में ही विभिन्न पदों पर रहकर सफलतापूर्वक कार्य किया। उनकी मेहनत लगनशीलता और संस्था के प्रति निष्ठा और अनुभव को देखते हुए 16 सितंबर 2025 को इफको की बोर्ड मीटिंग मे 30 सितंबर को संजय कुदेशिया के सेवानिवृत्ति होने के बाद श्री पीके सिंह को यहां का अगला इकाई प्रमुख घोषित किया गया था। इस निर्णय के अनुसार श्री पीके सिंह को सेवानिवृत्ति इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने 30 सितंबर को पदभार सौंपते हुए अवकाश प्राप्त किया। अपने 30 वर्षों के कार्यकाल के दौरान श्री सिंह ने फुलपुर- द्वितीय विस्तार परियोजना, ई.एस.पी. एवं क्षमता वृद्धि परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उन्हें ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त हुआ। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व श्री सिंह इफको फुलपुर इकाई के रखरखाव विभाग का नेतृत्व करते हुए सशक्त योगदान दिया । श्री सिंह अपनी ईमानदारी, सहज व्यक्तित्व और उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। उनका गंभीर स्वभाव कर्मचारियों में सर्वमान्य स्वीकार्यता तथा कर्तव्यों के सफल निर्वहन में सहयोग करती है। इफको परिवार को पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में फुलपुर इकाई निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर से टकरा कर पलटी बस

मची चीख पुकार, 13 यात्री घायल

मथुरा। बलदेव क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर रात के समय करीब दो बजे हुए सडक हादसे में 13 लोग घायल हो गये। ये सभी लोग एक बस में सवार थे। जिस समय हादसा हुआ सवारियों नींद में थीं। बस के पलटते ही चीख पुकार मच गई। बस में करीब 40 सवारियां थीं। बस डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई जिससे 13 सवारियां घायल हो गई है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। शेष यात्रियों को गंतव्य को रवाना किया गया है। यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन 131 पर गांव आंगई पर नोएडा से आगरा की तरफ रात दो बजे डबल डेकर बस डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। इस बस में 40 सवारियां थीं। बस पलटने से चीख पुकार मच गई। एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक थाना बलदेव रंजना सचान मय फोर्स के मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल भेजा गया। बस नोएडा से कानपुर की तरफ जा रही थी। यमुना एक्सप्रेसवे माइलस्टोन 131.600 नोएडा से आगरा की तरफ बस चालक को नींद आ जाने के कारण बस डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिससे बस में सवार 13 यात्री घायल हो गए। जिनको उपचार हेतु एस एन मेडिकल आगरा भेजा गया। शेष यात्रियों को वाहनों में बैठाकर गंतव्य पर रवाना किया। सीओ संजीव राय व थानाध्यक्ष रंजना सचान ने बताया बस पलटने से 13 सवारी घायल हो गई है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। चालक को नींद की झपकी आने से हादसा हो गया है । शेष सवारियों को गंतव्य की ओर भेजा गया है।

किसानों ने तोडा मंडी का गेट,अधिकारियों के आदेश को किया दरकिनार

● भारी नुकसान से आहत किसानों का टूट रहा है सब्र का बांध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। सिटी मजिस्ट्रेट के दो दिन बाद उपज लाने के अनुरोध को भी किसानों ने किनारे करते हुए बुधवार फिर से धान की भरी ट्रैक्टर ट्रालियां कीचड़ में खड़ी रखीं। मथुरा मंडी का गेट बंद कराने पर किसानों ने गेट तोड़ दिया और चौकीदार की भी पिटाई कर दी। एनएच 9 के साथ बने नाले को मंडी की ओर खोल देने से पानी मंडी में जा घुसा। जब किसानों एवं बाढ़तियों का धान पानी में डूबने लगा तो आक्रोश ने जन्म ले लिया। हाईवे जाम करने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार पहुंचे और मंडी प्रबंधन के साथ जल निकासी की जुगत करने लगे और आंदोलितों को समझाने लगे। मौके पर उन्होंने यह कह कर पीछा छुड़ा लिया कि नुकसान की जांच कराई जाएगी। इसी मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार ने कहा कि अगले दो दिन किसान माल न लाएं, जिससे मंडी से जल निकाल कर सफाई कराई जा सके। लेकिन उनके आदेश को आढ़तियों ने हवा में उड़ाते हुए किसानों को आज भी बुलाया। इससे मंडी परिसर में और परेशानी खड़ी हो गई। किसानों ने जिद करते हुए आढ़तियों के समक्ष कीचड़ में ही अपना धान डाल दिया। कई बाद मंडी सचिव से हॉट टॉक भी हुई। बरसात से अनाज मंडी मथुरा में किसानों का सर्वाधिक नुकसान हुआ है। अडींग के किसान राजेंद्र यादव, बिजेंदर, रूप किशोर, अशोक यादव, आढ़तिया विनोद अग्रवाल, मंगी लाल, आदि ने बताया कि लगभग 70 से 80 हजार धान की बोरियां पानी में डूब गई हैं। करोड़ों रूपये का नुकसान हो गया है। किसानों के इस धान को आज तक किसी भी आढ़तिया अथवा खरीददार ने नहीं खरीदा। जिला प्रशासन की ओर से कोई भी आश्वासन न मिलता देख वह अब बरसात में खराब हुए धान को पुनः अपने ट्रैक्टर ट्राली में लादकर वापस ले जा रहा है। मंडी सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि कल से आज तक नगर निगम एवं जिला प्रशासन का पूरा सकयोग मिला है। जिलाधिकारी लगातार उनके फोन पर जानकारी लेते रहे। जल को निकालने के लिए पूरे इंतजाम किए गए। टैंकरों के साथ पंप से भी पानी निकाला जा सका। उन्होंने कहा कि किसानों को मना करने के बावजूद भी आज 25 हजार कुंटल धान किसान मंडी ले कर आ गए। वह झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। सभी को मौका मिलेगा, अभी मंडी में व्यवस्थाएं सुधरी नहीं हैं। पानी में डूबा धान उठवाने के बाद कीचड़ की सफाई की जाएगी। उन्होंने एक दिन का मौका देने की अपील की है।

घोर लापरवाहीः काश मौसम विभाग के अनुमान को मान लेता प्रशासन

● किसानों को हुए करोड़ों का नुकसान, जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। मौसम विभाग का तीन दिन का बरसात को लेकर अलर्ट था। किसानों ने इस अलर्ट को गंभीरता से लिया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर किसान अब पूरा विश्वास करने लगे हैं। किसानों ने खेतों में बाजरे की कटाई रोक दी थी और जो फसल खतों में पडी थी उसे घर पहुंचाने के लिए ऐडी चोटी का जोर लगा दिया था। जिन किसानों के खेतों में धान की फसल पकी खडी है उन्होंने भी फसल को बचाने के लिए हर संभव जतन किया। मौसम विभाग ने मथुरा जनपद में 80 प्रतिशत बरसात का अनुमान जारी किया था। दूसरी ओर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने घोर लापरवाही दिखाई और मौसम विभाग के अलर्ट पर किसी तरह का कोई ध्यान नहीं दिया।

जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड रहा है। जो किसान अपना धान और बाजरा की फसल को लेकर मंडी आ गये थे अब वह घर के रहे हैं न मंडी के। मंडी में बरसात का पानी कई फीट तक जमा हो गया। नाले का पानी भी मंडी में उल्टा मंडी में जमा हो गया। इससे किसानों का करोड़ों रुपये का धान और बाजरा पानी में डूब गया। मंडी समिति की ओर से किसी तरह के प्रयास इस दौरान देखने को नहीं मिले। अब आढ़तिया ने फसल को खरीदने से मना कर दिया हो।

किसानों के पास फसल को वापस घर ले जाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। वहीं किसानों को यह भी समझ नहीं आ रहा है कि वह अपनी उपज को घर ले जाकर इसका करेंगे क्या। जिला प्रशासन की घोर लापरवाही सामने आने के बाद भी जनप्रतिनिधियों की ओर से मंडी का दौरा तक नहीं किया गया। किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए कोई घोषणा नहीं की गई। नहीं मंडी समिति की ओर से किसी तरह के मुआवजे की बात कही गई हैं। किसान मायूस हैं और खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं।

ब्रज के देवी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

● घर घर में हवन कर दी पूर्ण आहूति, जिमाए कन्या लांगुरा

मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन प्रमुख मंदिरों पर लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। भगवान श्रीराधा कृष्ण की ब्रज भूमि में शरदीय नवरात्रि पर महानवमी के दिन बुधवार को सभी प्रसिद्ध देवी मंदिरों में पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। पग पग पर देवी भक्त माता के जयकारे लगाते और पूजा करते नजर आये। मां के जयकारों से गुंजायमान हो उठी। मंदिरों में विधि विधान पूर्वक ब्रजवासियों ने देवी मां का पूजन करके हवन यज्ञ में पूर्ण आहूति दी और कन्या लांगुराओं को भोजन करवाया गया। सड़क पर बच्चों के झुंड एक घर से दूसरे घर जाते और घरों मिलने वाले पैसे और उपहारों को संभालते नजर आये। एक दूसरे से अधिक उपहार पाने की होड़ भी इन बच्चों में देखी गयी। नवमी के मौके पर सांचौलीदेवी मंदिर, नरी सैमरी देवी मंदिर में सेवायतों ने देवी प्रतिमाओं के मनोहारी श्रृंगार किए गए। इनकी एक झलक पाने के लिए भक्त आतुर नजर आए। देवी मंदिरों में शाम को भजन कीर्तन व देवी की आराधना शुरू हो गई। इससे पूर्व बुधवार सुबह भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कन्या लांगुरा को जिमा कर उन्हें दक्षिणा एवं उपहार दिया। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिले नजर आए। मथुरा में महाविद्या देवी, चामुंडा, कैंट वाली काली, बगुला मुखी, कंकालीदेवी मंदिर, रंगेश्वर देवी मंदिर, आदि तथा वृंदावन में चामुंडा मंदिर, पथवारी मंदिर, शीतला मंदिर, पागल बाबा मंदिर, कृष्णकाली पीठ, कात्यायनी पीठ में सुबह से शुरू हुई भक्तों की भीड़ देर शाम तक जुटती रही। मदनमोहन मंदिर, चौतन्य फौजदार कुंज, बसंती चबूतरा, बांकेबिहारी मंदिर, बनखंडी, गोपीनाथ बाजार, ज्ञानगुदड़ी, गौरानगर कॉलोनी, कैलाश नगर समेत अनेक इलाकों में सजे माता के पंडालों में रात को देवी जागरण और रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुए। जगह जगह छप्पन भोग, फलों का बंगला, फूल बंगला सजाये गये। आज सुबह घर घर में पूजा अर्चना के बाद कन्या-लांगुरा जिमाए गए। 9 दिन व्रत रहने वाले भक्तों ने कन्या लांगुरा को जिमाने के बाद अपना व्रत खोला।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने किया मंडी के गेट पर प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ताओं ने मथुरा मंडी समिति पहुंचकर प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी किसान नेता लुकेश कुमार राही ने संयुक्त रूप से कहा कहा कि करीब 20 22 करोड रुपए का धान पानी में बह गया लेकिन मंडी सचिव कुंभकरण की नींद में सो रही हैं। किसान अपना अनाज लेकर के जब मंडी आते है तो किसानों का अनाज खुले आसमान के नीचे रखा जाता है। मंडी समिति में एक भी प्लेटफार्म किसानों के लिए नहीं है। मंडी समिति के अधिकारी किसानों को टैक्स के नाम पर लुटाते हैं। सुविधा के नाम पर कुछ नहीं है। मंडी समिति में किसानों का शोषण होता है। पूरी मंडी समिति में किसानों के पीने के लिए पानी भी नहीं है। मंडी समिति में किसानों के रुकने के लिए गेस्ट हाउस है। जिस पर मंडी समिति के कर्मचारियों का कब्जा है। किसान अपना अनाज खुले आसमान के नीचे रखते हैं खुले आसमान के नीचे रोकना पड़ता है। संगठन ने कई बार ज्ञापन देकर पांच प्लेटफार्म खाली करने की मांग की थी लेकिन अभी तक किसानों के अनाज के लिए मंडी समिति में एक भी प्लेटफार्म खाली नहीं है। सभी प्लेटफार्म पर दबंग व्यापारियों के कब्जे हैं जिससे किसान अपना अनाज खुले आसमान के नीचे रखने को मजबूर हैं। जिन किसानों का अनाज पानी में बहा है उन किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए नहीं तो अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के लिए व मंडी समिति में तालाबंदी के लिए मजबूर होंगे भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ता पदाधिकारी महानगर अध्यक्ष भरत अग्रवाल उत्तर प्रदेश के महासचिव नरोत्तम लाल पाराशर सुनील चौधरी भगवान दास तोमर ने संयुक्त रूप से कहा जिन

किसानों का अनाज मंडी समिति में पानी में बह गया है। उन सभी किसानों की भरपाई जिला प्रशासन को करनी चाहिए। किसान पूर्ण रूप से बर्बाद हो गया है अब किसानों को मदद की जरूरत है जिला प्रशासन सर्वे कराकर तत्काल किसानों को मुआवजा दिया जाए नहीं तो मथुरा जनपद में होगा बड़ा आंदोलन। धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से वरिष्ठ किसान नेता प्रयागनाथ चतुर्वेदी कैलाश चौधरी टीटू गोपीचंद शर्मा शिवम शर्मा भगवान दास सुनील चौधरी धर्मेंद्र पाठक राकेश शर्मा मलखान सिंह हरेंद्र सिंह आदि किसान मौजूद थे।

दशहरा पर लंकेश भक्त मंडल रावण करेगा दशानन की महाआरती

● गुरुवार को सुबह 9 बजे महा मंत्र का जाप शुरू कराया जाएगा जो शाम 5 बजे तक चलेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। लंकेश भक्त मंडल विजय दशमी के पर्व भगवान भोलेनाथ के प्रिय भक्त और भगवान श्री राम के आचार्य प्रकांड विद्वान त्रिकाल दर्शी महाराज दशानन के पुतला दहन का विरोध करते हुए इस कुप्रथा को बंद करने के लिए देश की सभ्य समाज से मांग करता है। लंकेश भक्त मंडल की ओर से यमुनापार स्थित महाराज दशानन मंदिर पर गुरुवार को सुबह 9 बजे महा मंत्र का जाप शुरू कराया जाएगा जो शाम 5 बजे तक चलेगा । महामंत्र जाप के माध्यम से भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की जाएगी कि सभ्य समाज में सदबुद्दी आए और वो प्रकांड विद्वान त्रिकाल दर्शी महाराज दशानन के पुतला को दहन करने से रोके। दोपहर साढ़े बारह बजे भगवान भोलेनाथ और महाराज दशानन की भव्य आरती की जाएगी। ओर ग्यारह बजे भंडारे का शुभारंभ किया जाएगा। लंकेश भक्त मंडल के अध्यक्ष ओमवीर सारस्वत एडवोकेट ने बताया है कि लंकेश प्रकांड विद्वान त्रिकालदर्शी थे। ऐसे व्यक्ति का पुतला दहन करने से गाय और ब्राह्मण की हत्या के समान पाप लगता है। जिससे समाज के लोगों कोई लाभ नहीं मिलता है। बल्कि प्रदूषण फैलता है और अनेक दुर्घटनाएं हो जाती हैं। रावण द्वारा रचित शिव तांडव स्त्रोत से हम सब लोग आज भी

भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। हिंदू धर्म में एक व्यक्ति का केवल एक बार ही अंतिम संस्कार होता है बार बार नहीं। पुतला दहन की कुप्रथा सनातन धर्म विरोधी कृत्य है। भगवान श्री राम और रावण के का युद्ध मंचन होना चाहिए जिससे हमारी आने वाली आगे की पीढियों को सीख मिल सके।

राया में निकाली काली मां की सवारी, जगह जगह स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। राया में रामलीला के दौरान बुधबार को कसवे के बलदेव रोड स्थित झंकीमल धर्मशाला से मां काली की पैदल सवारी निकाली। जगह-जगह भक्तों ने माँ काली की आरती उतारकर व भोग प्रसाद लगाकर स्वागत किया। बलदेव रोड झंकिमल बगीची पर पूजा अर्चना से दोपहर को मां काली की रौद्र रूप में गले में नरमुंडों की माला पहने दर्जनों रंग-बिरंगे लांगुरा व जोगनियों के साथ पदयात्रा निकली। इसमें काली मां एक हाथ में खप्पर व दूसरे हाथ मे तलवार लेकर खेलती चली। सवारी हाथरस रोड, कटरा बाजार, रेतिया बाजार, मांट रोड होकर रामलीला मैदान पर सम्पन्न हुई। यहां मेघनाथ व कुंभकरण वध लीला एवं उनका पुतला दहन किया। कटरा बाजार में युवा ब्राह्मण संगठन ने मां काली की महाआरती का आयोजनक कर प्रसाद बितरण किया इस दौरान कमेटी अध्यक्ष अभिषेक शर्मा , विशाल पराशर,भूपेश अग्रवाल, सुधीर व्यास,रवि वर्मा नरेश रावत, पुनीत चौबे,सौरभ द्विवेदी, सौरभ अग्रवाल, मोहित शर्मा, रोहित शर्मा राजन भट्ट आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 - महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन को नई ऊँचाई देने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरुक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान क्रम में पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए प्रारम्भ किए गए #MissionShaktiz के दृष्टिगत कमिश्नरेट प्रयागराज के जोन गंगानगर के थाना मऊआइमा क्षेत्रान्तर्गत कस्बा मऊआइमा में आज दिनांक-21.09.2025 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया । उ0प्र0 शासन के आदेशानुसार महिला सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे "मिशन शक्ति" अभियान फेज-5.0 के अन्तर्गत गंगानगर पुलिस द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम एवं अभियान को सफल बनाए जाने हेतु महिलाओं/बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु चलाये जा रहे मिशन नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत सुरक्षा

जागरुकता के सम्बंध में महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर यू0पी0-112, वूमेन पावरलाइन-1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया, ताकि आमजन किसी भी समस्या या सहायता की स्थिति में सीधे सम्पर्क कर सकें । साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित कौशल विकास योजना, उत्तर प्रदेश कन्या सुमंगला योजना, वन स्टॉप सेंटर योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गयी। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा उपस्थित लोगों से आह्वान किया गया कि वे इन योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाए तथा महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण के इस जनअभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें ।

प्रेमिका से मिलने आए प्रेमी व उसके दोस्त को चोर की अफवाह के चलते लोगों ने पीटा

● जांच में जुटी पुलिस।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झूंसी,प्रयागराज। शहर के झूंसी थाना क्षेत्र के नई झूंसी रेलवे फाटक के पास प्रेमिका से मिलने आए एक युवक और साथी को लोगों ने चोर समझकर पीटना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। पुलिस की पूछताछ के दौरान पता चला की उतरांव थाना क्षेत्र के रहने वाले दोनों युवकों ने बताया कि 3 दिन पूर्व अनवर मार्केट से अनदावा जाते समय ऑटो में एक युवती मिली और अंदावा बाई पास के पास उतरने के बाद लड़की के पास छुट्टा पैसा नहीं होने के कारण युवकों ने 5 रुपया देकर उसकी मदद कर दी। 5 रुपया की मदद मे युवक युवती का प्रेम परवान चढ़ गया। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे का नंबर का अदान प्रदान कर लिया। प्रेम में दीवाने युवकों को लड़की ने फोन कर सोमवार को शॉपिंग कराने के लिए बुलाया। सिविल लाइंस शॉपिंग माल में दोनों युवक लड़की को 3 हजार की शॉपिंग कराकर उसको घर छोड़ने जा रहे थे। लेकिन लड़की युवकों को अपना घर नहीं दिखाना चाह रही थी। इसी दौरान नई झूंसी रेलवे फाटक के पास बस्ती में लड़की एक मकान मे घुस गयी और युवकों से कहा की यही उसका घर है अब तुम लोग जाओ।इस दौरान स्थानीय लोगों ने संदिग्ध युवती देखकर पकड़ लिया तो युवती ने युवकों को फोन करके बताया कि उसे लोगों ने चोर समझ कर पकड़ लिया। युवक उसको लेने पहुंचे तो लोगों ने दोनों युवकों पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस युवकों को थाने लायी और पूछताछ में जुट गई है। पूछताछ मे ये पूरा मामला खुल कर सामने आया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का हुआ जोरदार स्वागत

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का हाथरस जाते समय यमुना एक्सप्रेस वे पर मांट क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी के नेतृत्व में समाजसेवी भूपेश अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह देकर जोशीला स्वागत किया। इस दौरान भूपेश अग्रवाल, अजीत चौधरी प्रधान, जगदीश चौधरी, सुशील खरवा, आलू कुरैशी, सलमान कुरेशी, अर्पित अग्रवाल, अमित गोयल, शुभम अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, पुनीत चौबे

पड़ोसी की छाछ ने पति को पहुंचाया सलाखों के पीछे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। गांव परसोती गढ़ी में बुधवार सुबह एक युवक पड़ोसी के घर से छाछ मांग लाया था। इस बात से पत्नी नाराज हो गई। जिससे पति पत्नी में कहासुनी होने लगी। झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस महिला के पति और छाछ देने वाले पड़ोसी को थाने ले गई, जहां उनका शांतिभंग के आरोप में चालान कर दिया। गांव परसोती गढ़ी निवासी गुलफाम बुधवार सुबह अपने पड़ोसी रमजान के घर से छाछ मांग लाए थे। इस बात पर उनकी पत्नी अमरीन नाराज हो गई। छाछ के विवाद को लेकर कहासुनी बढ़ गई। महिला ने हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस उसके पति गुलफाम और छाछ देने वाले पड़ोसी रमजान को थाने ले गई। एसएसआई अमित तौमर का कहना है कि महिला की शिकायत पर गुलफाम और रमजान को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया है।